हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 269 बेमेतरा, मंगलवार 26 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

2 जगहों पर श्राद्ध कर्म के दौरान आयोजित भोज खाने से 4 लोगों की मौत

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ से बेहद दुखद और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां 10वीं के श्राद्ध कर्म के दौरान आयोजित भोज खाने के बाद चार लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 25 लोग बीमार पड़ गए। शुरुआती जांच में फूड पॉइजनिंग को इस हादसे की वजह माना जा रहा है। दोनों जिलों में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीमें जांच में जुट गई हैं। सबसे पहला मामला सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरी ब्लॉक के नुआडीही गांव से सामने आया। यहां एक परिवार में 10वीं का श्राद्ध कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गांव के कई लोग इस भोज में शामिल हुए थे और भोजन किया था। भोज खाने के कुछ समय बाद कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं होने लगीं। देखते ही देखते हालात गंभीर हो गए।बीमार लोगों को तुरंत हेमगिरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 10 अन्य लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। प्राथमिक जांच में फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है

पंजाब की कपूरथला जेल में हिंसा, बैरकों में तोड़फोड़ और आगजनी का प्रयास

चंडीगढ़। पंजाब की कपूरथला जेल में रात करीब 9 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब कैदियों के 2 समूह अचानक से उग्र हो गए। देखते ही देखते आक्रोशित कैदियों ने जेल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। उन्होंने बैरकों में तोड़फोड़ करने के बाद जेल के एक हिस्से में आग लगाने का प्रयास किया। इस दौरान जेल अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने हालात को काबू करने की प्रयास किया, तो कैदियों ने उन पर भी हमला बोल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना रात 9 बजे के करीब हुई। हिंसा पर उतारू कैदियों ने बैरक संख्या 4 की दीवारों को तोड़ दिया। इसके बाद आग लगाने की कोशिश की। कपूरथला जेल में हिंसा पर अभी कोई आधिकारिक बयान जेल प्रशासन की तरफ से सामने नहीं आया है। घटनास्थल से कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें कैदी जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। कैदियों का दावा है कि प्रशासन ने उन पर गोलियां भी चलाई है। कपूरथला जेल काफी पुरानी है। रिकॉर्ड के अनुसार, 1884 में एक सब-जेल से इसकी नींव पड़ी थी। 1983 में इसे जिला जेल के रूप में अपग्रेड किया गया। 2015 में यह आधिकारिक तौर पर एक केंद्रीय कारागार बन गया। यह आधुनिक परिसर 78 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी क्षमता 2,728 कैदियों की है। कभी-कभी यहां कैदियों की संख्या 3,900 तक हो जाती है।

पेट्रोल-डीजल के रेट चौथी बार बढ़े

पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 हुआ और महंगा....

नईदिल्ली/ एजेंसी

पेट्रोल-डीजल फिर महंगा हो गया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की है। पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 महंगा हो गया है। तेल कंपनियों ने 10 दिन में चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की है। इस तरह 10 दिन में पेट्रोल और डीजल लगभग 8 रुपये महंगा हो गया है। नई दरें आज यानी 25 मई की सुबह 6 बजे से लागू हो गई है। पेट्रो कंपनियों ने दाम बढ़ाने के पीछे ईरान युद्ध के कारण होने वाली हानि को कारण बताया है। मान्य पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि प्रीमियम ईंधनों के दाम भी उसी रफ्तार से बढ़े हैं। एक्सपी 95 जो 106.63 रुपये प्रति लीटर था, वह 25 मई को 109.24 रुपये हो गया. ङ्क्त की कीमत 97.81 रुपये से बढ़कर 100.52 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई। बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में पहले जो डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर था, वह अब आज से 95.20 रुपये प्रति लीटर पर बिकेगा। यानी कि डीजल 2.71 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसी तरह से पहले पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपये प्रति लीटर थी, जो आज 25 मई को बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई है। मुंबई में आज पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जो कल के रेट 108.45 के मुकाबले कुछ ज्यादा है। यहां पेट्रोल की अब तक सबसे कम कीमत 6 मई को 103 रुपये प्रति लीटर थी। बता दें कि मध्य पूर्व में संकट शुरू होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15 मई को पहली बार इजाफा किया गया था। तब दोनों ईंधनों की

कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। इसके बाद 19 मई को करीब 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। विगत शनिवार (23 मई) को तेल के दाम 87 पैसे बढ़ा दिए गए थे। अब 48 घंटे के अंदर चौथी बार पेट्रोल और डीजल के दाम में 2 रुपये से अधिक की वृद्धि कर दी गई है। इस तरह से 4 बार की बढ़ोतरी के बाद दाम में अब तक 7.50 रुपये प्रति लीटर बढ़ चुके हैं। 10 दिन में 7.50 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद यात्रियों, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और सभी सेक्टरों के व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की उम्मीद है। पेट्रोल और डीजल की दरों में लगातार बढ़ोतरी से परिवहन और लॉजिस्टिक्स का खर्च बढ़ सकता है, जिससे आखिरकार जरूरी चीजों और खाद्य उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी। सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है। इससे पहले 23 मई को पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे लीटर जबकि डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। 23 मई को ही वाहन ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सीएनजी की कीमत में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है।

पेट्रोल-डीजल ड्यूटी कटौती से सरकार को 1-लाख करोड़ का नुकसान : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

वैश्विक संकट के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों से जनता को राहत दिलाने सरकार ने ईंधन पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इस कटौती से देश भर के उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल के पंपों पर कम कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। यह कदम ऐसे समय में परिवारों और व्यवसायों को सीधी राहत देता है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार गहरे दबाव में बना हुआ है। सरकार के इस कदम को लेकर देश वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जानकारी दी कि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) कम करने से सरकार को 1 लाख करोड़ के रेवेन्यू का नुकसान होगा। इसके साथ ही उन्होंने भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर बनाए जा रहे निराशाजनक माहौल को खारिज किया और देश की आर्थिक स्थिति का बचाव किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने देश में तैयारियों का जायजा लिया

जेपी नड्डा ने लोगों को इबोल से सतर्क रहने की दी सलाह..

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इबोला वायरस रोग (ईवीडी) की तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा की। यह समीक्षा अफ्रीका के कुछ हिस्सों में हाल ही में सामने आए प्रकोपों के मद्देनजर की गई है। भारत में इबोला का कोई भी मामला अब तक दर्ज नहीं किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल बताया है। नड्डा ने अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान देश में किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को पूरी तरह से सतर्क रहने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार ने अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक प्रतिक्रिया उपायों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। स्वास्थ्य प्रणाली की क्षमता बढ़ाने और निगरानी को तेज करने के लिए भी चर्चा हुई। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि देश इबोला के लिए पूरी तरह तैयार रहे। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव उपस्थित थे। आईसीएमआर के महानिदेशक और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक भी मौजूद रहे। अतिरिक्त सचिव और एनसीडीसी के निदेशक ने भी इसमें भाग लिया। मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी हुए इस हाई अलर्ट के बाद भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय भी पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। केंद्र सरकार ने एहतियात के तौर पर एक विस्तृत ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें भारतीय नागरिकों को इबोला से प्रभावित देशों की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सख्त सलाह दी गई है। इसके साथ ही देश के सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने महिलाओं को दिया बड़ा तोहफा, मुफ्त बस सेवा शुरू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार ने राज्य की आधी आबादी को एक बहुत बड़ा तोहफा देते हुए सभी सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की ऐतिहासिक घोषणा की है। राज्य परिवहन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सार्वजनिक परिवहन में उनकी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही यह योजना 1 जून 2026 से पूरे सूबे में लागू हो जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत राज्य की किसी भी उम्र की महिला को छोटी या लंबी दूरी की सरकारी बसों में सफर करने के लिए कोई किराया नहीं देना होगा। सरकार को पूरा भरोसा है कि इस कदम से कामकाजी और आम महिलाओं की हर महीने अच्छी-खासी आर्थिक बचत होगी और उनका सफर पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और सुगम हो जाएगा।

पेट्रोल-डीजल के दाम पर राहुल ने सरकार को घेरा

चुपके-चुपके काट रहे है जनता की जेब-लगाए गंभीर आरोप...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मोदी सरकार को महंगाई के मुद्दे पर घेरा। राहुल ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वो धीरे-धीरे तेल के दाम बढ़ाकर जनता का जेब काट रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, महंगाई मानव मोदी का फिर से हमला। पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे। मैं महीनों से आर्थिक तूफान आने की बात कह

रहा था। पर मोदी जी तब हमेशा की तरह चुनाव में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल 8 रुपए महंगा कर दिया। ये बढ़त होती ही जाएगी। महंगाई मानव मोदी का एक ही काम है। चुनाव में वादे और बाकी समय जनता की जेब पर वार। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 दिनों के भीतर चौथी बार हुई बढोतरी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'फ्यूल लूट' का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है। खड़गे ने दावा किया कि पेट्रोल की कीमत में 7.35 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 7.53 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खड़गे ने अपने पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने आम लोगों की बचत को जलाने का काम किया है।

उन्होंने यूपीए सरकार और वर्तमान सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए दावा किया कि 2004 से 2014 के बीच अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 175 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई थी, जबकि मोदी सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल की कीमतों में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में पेट्रोल की कीमत 71.41 रुपए प्रति लीटर थी।

धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के सानिध्य एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में सतनाम सद्भाव पदयात्रा के पदयसेवाभावी एवं पत्रकार साथियों का सम्मान

बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान के संदेश से गूंजा सम्मान समारोह

मनखे-मनखे एक समान के संदेश के साथ सामाजिक समरसता का भव्य आयोजन रायपुर में संपन्न

मूक पत्रिका/रायपुर/छत्तीसगढ़— परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के पावन संदेश बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान को जन-जन तक पहुंचाने हेतु आयोजित विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा, सामाजिक समरसता अभियान एवं सम्मान समारोह का आयोजन मेकाहारा मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम, रायपुर में राजागुरु,धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के सानिध्य में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में 18 फरवरी से 22 फरवरी तक रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक आयोजित विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा में शामिल पदयात्रियों, आयोजन को सफल बनाने वाले सेवाभावी स्टाफ, सहयोगी साथियों, कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाले पत्रकार बंधुओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज को संगठित कर एकता, भाईचारा एवं सामाजिक समरसता के साथ आगे बढ़ाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। गुरु घासीदास बाबा जी का संदेश मानवता, समानता और सत्य का संदेश है, जिसे हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की शक्ति उसकी एकजुटता में निहित होती है और जब समाज संगठित होकर आगे बढ़ता है तो हर क्षेत्र में नई ऊर्जा और सकारात्मक परिवर्तन आता है।

वही सतधारी गुरु गुरु सोमेश बाबा जी ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह सतनाम सद्भाव पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवता का महाअभियान है। उन्होंने कहा कि बाबा जी द्वारा बताए गए सत्य, अहिंसा, सद्भावना एवं समानता के मार्ग पर चलकर ही समतामूलक एवं सशक्त समाज का निर्माण संभव है। समाज के युवाओं को बाबा जी के विचारों को आत्मसात कर समाज सेवा एवं सामाजिक जागरूकता के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याण की योजनाओं के माध्यम से समाज को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो समाज को एकता, समानता एवं मानवता की भावना से जोड़ता है। और सरकार समाज के विकास एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले समस्त स्टाफ, सहयोगी साथियों एवं कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा गया कि आप सभी ने दिन-रात अथक मेहनत, सेवा भाव एवं पूर्ण समर्पण के साथ प्रत्येक व्यवस्था का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन किया। 24 घंटे निरंतर सेवा में समर्पित रहकर जिस निष्ठा, अनुशासन एवं भावनात्मक जुड़ाव के साथ आपने इस पावन आयोजन को सफल बनाया, वह अत्यंत प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय है। आप सभी का त्याग, परिश्रम एवं समर्पण ही इस आयोजन की सबसे बड़ी शक्ति रहा।

पत्रकार बंधुओं के सम्मान अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है, जो समाज में सकारात्मक विचार, जागरूकता एवं एकता का संदेश पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। सभी पत्रकार साथियों ने सामाजिक सद्भाव, समानता एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज आप सभी पत्रकार बंधुओं के योगदान का सदैव ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम में राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी,गुरु सोमेश बाबा जी, गुरु परिवार के सदस्य, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी,राजिम विधायक रोहित साहू जी,आयोग अध्यक्ष अंजय शुक्ला जी,पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा जी,भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम नारंग जी,रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल जी,जांजगीर जिला पंचायत अध्यक्ष पति इंजी.आनंद मीरी जी,जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक, भाजपा एवं अखिल भारतीय सतनाम सेना के पदाधिकारी, सदस्यगण, पत्रकार बंधु, बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम में अखिल भारतीय सतनाम सेना एवं समस्त सतनामी समाज की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

नवागढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 12 गौवंश मुक्त, 4 आरोपी गिरफ्तार, 7 लाख से अधिक की संपत्ति जब्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा के थाना नवागढ़ पुलिस ने गौवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग प्रकरणों में 12 नग गौवंश को मुक्त कराया है। पुलिस ने इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त एक ट्रक और एक पिकअप वाहन सहित लगभग 7 लाख 14 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी रमेश यादव एवं अन्य गौसेवकों को 23 मई की रात सूचना मिली थी कि ग्राम मजगांव-छिरहा की ओर से एक ट्रक क्रमांक छ्त्त 25 रु 0947 में गौवंशों को बिना चारा-पानी के क्रूरता पूर्वक भरकर कत्लखाने ले जाया जा रहा है। सूचना पर गौ रक्षक समिति एवं पुलिस टीम ने ग्राम प्रतापपुर मेन चौक के पास घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा। जांच में वाहन से 8 नग मवेशी बरामद किए गए।

मौके पर पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम सुरेंद्र निषाद, सुखीराम जायसवाल एवं कपिल जायसवाल निवासी ग्राम मजगांव थाना दाढ़ी जिला बेमेतरा बताया। आरोपियों के पास पशु परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

इसी तरह 24 मई की रात एक अन्य सूचना पर पुलिस एवं गौसेवकों ने ग्राम चकलाकुंडा-दौनाडीह मार्ग पर कार्रवाई की, जहां एक पिकअप वाहन क्रमांक छ्त्त 25 4168 अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसा। वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने दौलत साहू निवासी दौनाडीह को गिरफ्तार कर लिया। वाहन से 4 नग पड़वा-पड़िया बरामद किए गए।

पूरे मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।विवेचना के दौरान पुलिस ने 12 नग गौवंश की अनुमानित कीमत 1 लाख 14 हजार रुपये, पिकअप वाहन की कीमत 2 लाख रुपये तथा ट्रक की कीमत 4 लाख रुपये आंकी है। कुल मिलाकर लगभग 7 लाख 14 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सुरेंद्र निषाद, सुखीराम जायसवाल, कपिल जायसवाल एवं दौलत साहू शामिल हैं। सभी आरोपियों को बीते 24 मई 2026 को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भुनेश्वर यादव, सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार क्षत्री, प्रधान आरक्षक ओंकार निर्मलकर, राहुल दुबे, भूपेंद्र चंद्रवंशी, गजानंद पटेल सहित थाना नवागढ़ स्टाफ एवं गौसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

झीरम घाटी शहीदों को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया ने दी श्रद्धांजलि, राहगीरों को पिलाया गया शरबत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

झीरम घाटी शहादत दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया द्वारा शहीद कांग्रेस नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अटल चौक सरिया में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहीद नेताओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनकी स्मृति में राहगीरों को शरबत पिलाकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में भावुक माहौल देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने शहीदों के सम्मान में नारे भी लगाए। ज्ञात हो कि 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी (सुकमा जिला) में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर निकले नेताओं के काफिले पर नक्सलियों ने ताबड़तोड़ हमला किया था। इस भीषण हमले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता नंदकुमार पटेल, उनके पुत्र दिनेश पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, विद्याचरण शुक्ल सहित कई कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता शहीद हो गए थे। इस हमले को छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में गिना जाता है। कांग्रेस पार्टी हर वर्ष 25 मई को इस घटना की याद में शहादत दिवस मनाकर शहीद नेताओं को श्रद्धांजलि देती है। सरिया में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीदों के योगदान को याद करते हुए कहा कि झीरम घाटी की घटना केवल कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लोकतांत्रिक इतिहास के लिए एक पीड़ादायक अध्याय है। इस दौरान ÷नंदू भैया अमर रहे÷, ÷दिनेश पटेल अमर रहे÷ और ÷झीरम के शहीद अमर रहें÷ जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। श्रद्धांजलि सभा के बाद राहगीरों को शरबत वितरित कर शहीदों की स्मृति को सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उग्रसेन साहू, पार्षद रूप डनसेना, सन्नी आहूजा, गोलू अग्रवाल, भुवन विजय मालाकार, प्रेम साहू, टुकलाल पटेल, निखिल डनसेना, अरुण अग्रवाल, गौतम बारीक, खीरो पटेल, बेद चौहान, राजेश चौहान, भागीरथी, सरोज प्रधान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि झीरम घाटी के शहीदों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनकी स्मृति प्रेरणा देती रहेगी।

सारंगढ़-रायगढ़ मुख्य मार्ग पर टीमरलगा में दर्दनाक हादसा, युवक-युवती की मौके पर मौत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-रायगढ़ मुख्य मार्ग स्थित टीमरलगा के पास सोमवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और मार्ग से गुजर रहे लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। हादसा कैसे हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ सकी है। मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक युवक घरघोड़ा क्षेत्र के टेंडा नवापारा गांव का निवासी बताया जा रहा है, जबकि युवती बिलाईगढ़ क्षेत्र के धौराभांठा गांव की रहने वाली थी। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर चंद्रपुर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान टीमरलगा मुख्य मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर मारने वाला वाहन घटनास्थल से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मार्ग पंचनामा तैयार कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मार्ग पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर दुर्घटना की वजह अज्ञात वाहन की टक्कर मानी जा रही है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

जनपद पंचायत साजा में विशेष सुनवाई, अधूरे आवासों को जल्द पूरा करने हितग्राहियों को अंतिम चेतावनी

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर सख्ती

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाने और लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत साजा में विशेष सुनवाई (पेशी) आयोजित की गई। यह सुनवाई जिला प्रशासन बेमेतरा के निर्देशानुसार तथा जनपद पंचायत साजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोमनाथ साहू के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुई। सुनवाई विशेष रूप से उन हितग्राहियों के लिए आयोजित की गई थी, जिन्हें योजना के तहत दूसरी किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उनके आवास निर्माण कार्य अब तक पूर्ण नहीं हो पाए हैं। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए हितग्राहियों को तलब कर निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति की समीक्षा की। जानकारी के अनुसार, इस विशेष सुनवाई के लिए कुल 312 हितग्राहियों को नोटिस जारी किया गया था। निर्धारित समय पर 120 हितग्राही उपस्थित होकर अपनी स्थिति से अवगत कराया। वहीं अनुपस्थित हितग्राहियों को आगामी दिनों में पुनः बुलाया जाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान जनपद पंचायत साजा के विकासखंड समन्वयक, तकनीकी सहायक (आवास), संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायकों की उपस्थिति रही। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक हितग्राही के आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई तथा निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा की गई।

निर्धारित की गई सख्त समय-सीमा–जनपद पंचायत सीईओ श्री सोमनाथ साहू ने उपस्थित हितग्राहियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है और इसमें लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण की वर्तमान स्थिति के आधार पर अलग-अलग चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की– चौखट स्तर (ष्ठश्शह्म् स्रु1द्वद्य) तक पहुंचे आवासों को 30 दिनों के भीतर पूर्ण करना होगा।छत स्तर तक पहुंचे आवासों को 20 दिनों के भीतर पूरा करना अनिवार्य होगा। जिन आवासों की छत ढलाई हो चुकी है, उन्हें 07 दिनों के भीतर पूर्ण करना होगा 7 प्रशासन ने हितग्राहियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास निर्माण पूर्ण नहीं करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान उपस्थित सभी हितग्राहियों से सहमति पत्र भी भरवाया गया, जिसमें उन्होंने तय समय में निर्माण कार्य पूरा करने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

मनरेगा में बेमेतरा की बड़ी उपलब्धि, 70 हजार परिवारों को मिला रोजगार, 7.44 लाख मानव दिवस सृजन के साथ राज्य के शीर्ष 5 जिलों में शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत बेमेतरा जिले में ग्रामीण परिवारों को मांग अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण एवं स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए जिले में व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक जिले के लगभग 70 हजार परिवारों द्वारा रोजगार की मांग की गई, जिसके अनुरूप सभी पात्र परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इसके परिणामस्वरूप जिले में लगभग 7.44 लाख मानव दिवस का सृजन हुआ है। मानव दिवस सृजन के मामले में बेमेतरा जिला पूरे प्रदेश के शीर्ष 5 जिलों में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि जिले में रोजगार मांग और रोजगार उपलब्धता के बीच संतुलित एवं प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा श्रमिकों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सतत मॉनिटरिंग एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा रहा है।

प्रतिदिन 55 हजार श्रमिकों को मिल रहा रोजगार–दैनिक श्रमिक संलग्नता के स्तर पर भी बेमेतरा जिला बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वर्तमान में जिले में लगभग 55 हजार श्रमिकों को कार्य देने की क्षमता के अनुरूप ई-मस्टर जारी कर नियमित रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर श्रम आधारित कार्यों का संचालन निरंतर जारी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

जल संरक्षण एवं स्थायी परिसंपत्तियों पर विशेष जोर–मनरेगा अंतर्गत जिले में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत हाफ नदी पुनर्जीवन, रिचार्ज पिट निर्माण, खेत तालाब निर्माण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण सहित विभिन्न स्थायी प्रकृति के कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ-साथ जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होगा। जिला प्रशासन का मानना है कि ऐसे स्थायी कार्य भविष्य में कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संकट कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीकी समस्याओं के बावजूद बेहतर प्रदर्शन–वित्तीय वर्ष की शुरुआत में नरेगा एमआईएस पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण अप्रैल माह में कार्य निष्पादन प्रभावित हुआ था। हालांकि तकनीकी सुधार के बाद स्थिति सामान्य हुई और वर्तमान में मांग अनुसार सभी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अप्रैल माह में लक्ष्य के विरुद्ध मानव दिवस सृजन में जिले की उपलब्धि 56 प्रतिशत रही, जो राज्य की औसत उपलब्धि 42 प्रतिशत से काफी अधिक है। यह दर्शाता है कि चुनौतियों के बावजूद बेमेतरा जिला मनरेगा कार्यों के संचालन में प्रभावी प्रदर्शन कर रहा है।

अधिक से अधिक मांग पंजीयन कराने की अपील–जिला प्रशासन ने जिले के सभी ग्रामीण परिवारों से अपील की है कि मनरेगा अंतर्गत रोजगार प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने ग्राम पंचायतों में मांग पंजीयन कराएं और उपलब्ध कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

प्रशासन ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पर्याप्त मात्रा में श्रममूलक कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो सके और ग्रामीण विकास को नई गति मिल सके।

गांव-गांव में 'अवैध पेट्रोल का काला कारोबार', मजबूरी में जनता से खुली लूट

किराना दुकानों और गुमटियों में खुलेआम बिक रहा पेट्रोल, सुरक्षा इंतजाम नदारद;सुध लेने वाला कोई नहीं

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों अवैध पेट्रोल बिक्री का काला खेल तेजी से फैलता नजर आ रहा है। गांव-गांव की किराना दुकानों, गुमटियों और ढाबों में खुलेआम प्लास्टिक की बोतलों और डिब्बों में पेट्रोल बेचा जा रहा है। पेट्रोल पंप दूर होने और अचानक जरूरत पड़ने की मजबूरी का फायदा उठाकर दुकानदार लोगों से तय कीमत से कहीं ज्यादा रकम वसूल रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, किराना दुकान, गुमटियों ऐसे कई जगहों पर पेट्रोल 180 से 200 सौ रुपए मनमाने दामों में बेचा जा रहा है। मजबूरी में लोग ज्यादा कीमत चुकाने को विवश हैं, जबकि यह पूरा कारोबार बिना किसी लाइसेंस और सुरक्षा मानकों के संचालित हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ज्वलनशील पेट्रोल भीड़भाड़ वाले दुकानों में खुलेआम रखा जा रहा है, जिम्मेदार विभाग सब कुछ जानते हुए भी कार्रवाई से बच रहा है। बिना अनुमति पेट्रोल का भंडारण और बिक्री पूरी तरह अवैध होने के बावजूद यह कारोबार धड़ल्ले से जारी है। प्रशासनिक चुप्पी अब लोगों के बीच कई सवाल खड़े कर रही है।

÷मुनाफे के लिए लोगों की जिंदगी से खिलवाड़÷–विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक की बोतलों में पेट्रोल रखना बेहद खतरनाक माना जाता है। भीषण गर्मी और लापरवाही के बीच एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आगजनी और जनहानि में बदल सकती है। इसके बावजूद गांवों में खुलेआम चल रहा यह अवैध कारोबार प्रशासनिक निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध पेट्रोल बेचने वालों के खिलाफ तत्काल छापेमार कार्रवाई कर सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले इस खतरनाक कारोबार पर रोक लगाई जा सके।

समाधान महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, बी कॉम प्रथम में 90त्न विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

बीबीए, बीकॉम एवं बीसीए में 100% परीक्षा परिणाम से विश्वविद्यालय गौरवान्वित- कुलसचिव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

समाधान महाविद्यालय में ÷निःशुल्क समर कैंप समापन, शुभकामना एवं सम्मान समारोह÷ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। इस अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने अपने ऑनलाइन वीडियो संदेश में कहा कि समाधान महाविद्यालय ने बीबीए, बीकॉम एवं बीसीए जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों में 100त्न परीक्षा परिणाम देकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। बी कॉम के 90त्न से अधिक विद्यार्थियों का प्रथम श्रेणी में आना बड़ी उपलब्धि है, उन्होंने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय प्रबंधन को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी, डायरेक्टर एवं प्राचार्य डॉ. अवधेश पटेल तथा आईएनएच संवाददाता सूरज सिन्हा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बीकॉम, बीबीए एवं बीसीए में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय महाविद्यालय के अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं प्राध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया। इसी अवसर पर 11 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित निःशुल्क समर कैंप का समापन भी सम्पन्न हुआ। समर कैंप में विद्यार्थियों ने बेसिक कंप्यूटर, कौशल विकास, कैरियर मार्गदर्शन, संचार कौशल एवं स्पोकन इंग्लिश जैसी गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वहीं प्राचार्य डॉ. अवधेश पटेल ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। आईएनएच संवाददाता सूरज सिन्हा ने 100त्न परीक्षा परिणाम को महाविद्यालय की बड़ी उपलब्धि बताया। उप प्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू एवं कॉमर्स विभाग की विभागाध्यक्ष संगीता अग्रवाल ने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएँ दीं। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान एवं कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बीएससी, बीबीए, बीसीए, डीसीए, पीजीडीसीए एवं बीकॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बीसीए के गुलशन साहू, हर्ष साहू, कुलदीप साहू, बीसीए चौथे सेमेस्टर से प्रथम स्थान प्राप्त नूरी सिन्हा, द्वितीय मेहताब एवं तृतीय शौर्य शंकर साहू शामिल रहे। वहीं पीजीडीसीए के अभिषेक, दुर्गा एवं अजय कुमार तथा डीसीए के गगन, नितिन तिवारी एवं देवांश पिलानिया को भी सम्मान प्रदान किया गया। वाणिज्य विभाग में योगेन्द्र साहू, नीरज, रश्मि त्रिपाठी, गगन सिन्हा, आर. महेन्द्र साहू एवं प्रिया को सम्मानित किया गया। वहीं बीबीए के विद्यार्थियों में गुलशन साहू, सौरभ वर्मा, रौनक, श्रेया सोनी, नेहा गुप्ता एवं चंदन को भी सम्मान प्रदान किया गया। विज्ञान विभाग में आफरीन नाज़, ह्यूमेश देवांगन, देवेन्द्र कुमार साहू, यज्ञान्श तिवारी, रितेश प्रताप, मुकेश पाल, जिज्ञासा पटेल, हेमा साहू एवं आरुषि शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी स्तर पर शिकायत प्राप्त होने पर होगी कड़ी कार्रवाई-कलेक्टर

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक,

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति समीक्षा की, उन्होंने कहा पीएम आवास योजना के तहत प्राप्त शिकायतों को गंभीरता लें तथा योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित सीएमओ एवं जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि शिकायत प्राप्त होने पर मौके पर पहुंचकर हितग्राहियों से स्वयं चर्चा कर जांच करें तथा समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण करें तथा प्राप्त शत-प्रतिशत आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुशासन तिहार के शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, आवेदकों की समस्याओं को सुनें एवं पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान करें। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा के दौरान बैंकर्स द्वारा ऋण स्वीकृति प्रक्रिया में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने धीमी प्रगति वाले बैंकर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, ताकि ग्रामीणों को कचरा पृथक्करण, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दे । उन्होंने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने आगामी पूरक परीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि पूरक परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को आवश्यक तैयारी करायें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विषयवार विशेष मार्गदर्शन दिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कहीं भी पेयजल समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने बिजली संबंधी शिकायतों की समीक्षा करते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति बाधित होने, ट्रांसफार्मर खराब होने अथवा अन्य विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आम नागरिकों को राहत मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, ईऑफिस, आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना एवं आगामी खरीफ फसल की तैयारी की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

टिमरलगा में सड़क फिर हुआ लहू लुहान बाइक सवार युवक युवती की मौके पर

यातायात नियमों का खुला उल्लंघन, ह॥ रोड पर हेवी गाड़ियों का लंबा लाइन

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत टिमरलगा में आज बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आया है बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक युवती का मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि दोनों ही घटना स्थल पर ही दम तोड़ दी। मिली जानकारी के अनुसार युवक और युवती बाइक से कहीं जा रहे थे तभी यह घटना ग्राम टिमरलगा के पास घट गई है। घटना इतना भयानक था कि हादसा में दोनों के जान चली गई। हादसा को देख लोगों में बवाल सा मच गया क्या हुआ? ये आवाज कैसे है। गिरे हुए व्यक्तियो को उठाने लोगों दौड़ पड़े लेकिन हादसा इतना खतरनाक था कि दोनों के जान वही निकल गया थी। जैसे तैसे सारंगढ़ पुलिस टीम को सूचना दिया गया तथा सारंगढ़ सिटी कोतवाली थाना द्वारा शवों को उठाकर पंचनामा के लिए सारंगढ़ हॉस्पिटल भेज दिया गया तथा जांच में सारंगढ़ पुलिस जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार युवक को टेंडा नावापारा के सूरज राठिया बताया जा रहा है और लड़की को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला के बिलाईगढ़ गोपालपुर धौराभाठा क्षेत्र के आस पास का बता जा रहा है। दोनों का उम्र लगभग 20 से 21 वर्ष तक जानकारी मिली है। फिलहाल अब सारंगढ़ कोतवाली थाना जांच में छुट्टी है इससे जुड़ी और कुछ मामला सामने आ सकता है। ग्राम पंचायत गुड़ेली टिमरलगा उद्योग क्षेत्र के वजह से रात दिन नेशनल हाईवे के बड़ी बड़ी गाड़ियों का कतार लगा होता है जो यातायात नियमों का खुला उल्लंघन करके राहगीर आम जनता को भारी आवागमन में परेशानी होता है तथा कई बड़े हादसा हो चुके हैं कई लोगों के जान चुके हैं तथा इस मुद्दे को सारंगढ़ यातायात विभाग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और नेशनल हाईवे में हेवी जो गाड़ी खड़ी है उन पर कार्यवाही की जाए ताकि आने वाला समय में ऐसी घटना ना घटे और आम जनता के प्राणों का रक्षा हो सके। तथा आम जनता यातायात नियमों का पालन करें और अपना और दूसरों का जान सुरक्षित रखें।

जिला प्रशासन के आदेशों का खुला उल्लंघन, जिला प्रशासन ने इस संवेदनशील मामले में केवल प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शायद अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली

पचधारी एनीकट फिर से नहाने पहुंच रहे हैं लोग

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ शहर के केलो नदी पर बने पचधारी एनीकेट में नहाने के दौरान पिछले दिनों दो लोगों की मौत हो चुकी है। बावजूद इसके लोग सबक लेने को तैयार नहीं हैं। भीषण गर्मी से राहत पाने बड़ी संख्या में युवक और बच्चे एनीकेट पहुंच रहे हैं और छपाछप नहाने का सिलसिला लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी निषेधाज्ञा भी यहां बेअसर नजर आ रही है। रायगढ़ के पचधारी एनीकेट में एक बार फिर लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। तेज गर्मी और उमस से राहत पाने लोग नदी में उतरकर नहाने का आनंद ले रहे हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले इसी एनीकेट में नहाने के दौरान दो लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद लोग सावधानी बरतने को तैयार नहीं दिख रहे। खासकर युवा और बच्चे जान जोखिम में डालकर गहरे पानी तक पहुंच रहे हैं। हमारे संवाददाता ने रविवार को यहां का निरीक्षण करने के दौरान पाया कि कई लोग एनीकट के बांध के उपर वाले गहरे पानी के क्षेत्र में भी नहा रहे हैं। जो कि खतरे से खाली नही है और यहीं पर पहले दो मौतें इसी साल हो चुकी है। विंडबना यह है कि आसपास क्षेत्र में न तो प्रतिबंद्ध से संबंधित कोई बोर्ड लगाया गया है और ना ही सुरक्षा की दृष्टि से गोताखोर या पुलिस की वहां व्यवस्था रखी गई है। जाहिर सी बात है कि जिला प्रशासन ने इस संवेदनशील मामले में केवल प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शायद अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है। उल्लेखनीय रहे कि जिला प्रशासन ने हादसों के बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की थी और लोगों को नदी में उतरने से मना किया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं दे रहा। न तो मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर आ रहे हैं और न ही लोगों में डर दिखाई दे रहा है। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

गैंग्रीनस सिग्मॉइड वॉल्वुलस से पीड़ित मरीज का सफल ऑपरेशन, विशेषज्ञ टीम की तत्परता से बची जान

जिला अस्पताल में जटिल सर्जरी सफल, युवक को मिला नया जीवन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिला चिकित्सालय बीजापुर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने एक बार फिर जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर गंभीर अवस्था में भर्ती युवक को नया जीवन दिया है। विकासखंड उसूर निवासी 25 वर्षीय सुरेश कारम को पेट दर्द, पेट फूलना, उल्टी तथा मल त्याग बंद होने की शिकायत के बाद गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने मरीज की हालत को देखते हुए तत्काल सोनोग्राफी और आवश्यक लैब जांच कराई। जांच रिपोर्ट में मरीज को गैंग्रीनस सिग्मॉइड वॉल्वुलस जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित पाया गया। यह बड़ी आंत के अंतिम हिस्से के मुड़ जाने की खतरनाक स्थिति होती है, जिससे आंत में रुकावट पैदा हो जाती है और रक्त प्रवाह बाधित होने से आंत का हिस्सा सड़ने लगता है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर मरीज की जान को गंभीर खतरा हो सकता था।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के निर्देश पर तत्काल सर्जिकल टीम गठित की गई। टीम में सर्जन डॉ. रवि मढ़रिया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. नरोत्तम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। सभी जांच रिपोर्ट और मरीज की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद 23 मई को ऑपरेशन किया गया। सर्जन डॉ. रवि मढ़रिया ने एक्सप्लोरेटॉरी लैप्रोटॉमी प्रक्रिया के माध्यम से सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के दौरान आंत के प्रभावित और सड़े हुए हिस्से को निकालकर पुनः जोड़ने की जटिल प्रक्रिया पूरी की गई। वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और जिला चिकित्सालय में चिकित्सकीय निगरानी में उसका उपचार जारी है। कलेक्टर विश्वदीप, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बीजापुर में लगातार गंभीर एवं जटिल बीमारियों का सफल उपचार किया जा रहा है। अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों के कारण अब दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल रहा है। इस सफल सर्जरी ने एक बार फिर यह साबित किया है कि अब ग्रामीण अंचलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर रहने की आवश्यकता कम होती जा रही है और शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

गैंग्रीनस सिग्मॉइड वॉल्वुलस क्या है?

गैंग्रीनस सिग्मॉइड वॉल्वुलस बड़ी आंत के अंतिम हिस्से के मुड़ जाने से होने वाली गंभीर स्थिति है। इससे आंत में रुकावट आ जाती है और रक्त प्रवाह बाधित होने लगता है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर आंत सड़ने लगती है और मरीज की जान को खतरा हो सकता है। चिकित्सकों के अनुसार तेज पेट दर्द, पेट फूलना, उल्टी और मल त्याग बंद होना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

15वें वित्त आयोग अंतर्गत संचालित बैंक खातों के संबंध में जारी निर्देशों का पालन निरंतर जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पंचायत संचालनालय द्वारा 15वें वित्त आयोग से प्राप्त राशि के पृथक लेखांकन एवं पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में पंचायत संचालनालय, नवा रायपुर अटल नगर के पत्र क्रमांक/15वे वित्त/1123/2020-21/58 दिनांक 03 जुलाई 2020 के माध्यम से निर्देशित किया गया था कि 15वें वित्त आयोग से प्राप्त राशि के पृथक लेखा संधारण के लिए जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर नियमानुसार पृथक बैंक खाते खोले जाएं। साथ ही जिला स्तर पर यथासंभव एक ही बैंक में खाते संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके पश्चात पंचायत संचालनालय द्वारा संशोधित पत्र क्रमांक/15वे वित्त/1123/2020-21/60 दिनांक 04 जुलाई 2020 जारी कर जिलों को बैंक चयन के संबंध में स्वतंत्रता प्रदान की गई। संशोधित निर्देशों में भी यह स्पष्ट किया गया कि 15वें वित्त आयोग अंतर्गत प्राप्त राशि के पृथक लेखांकन हेतु जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अलग-अलग बैंक खाते नियमानुसार खोले जाएं तथा संभव हो तो सभी खाते एक ही बैंक में संचालित किए जाएं। उक्त निर्देशों के अनुपालन में कार्यालय जिला पंचायत बेमेतरा द्वारा पत्र क्रमांक/2886/जि.पंच./लेखा/15 वे वि.आ./2020 दिनांक 08 जुलाई 2020 के माध्यम से संबंधित बैंक में खाते खोले गए। इसके उपरांत आज दिनांक तक उक्त बैंक खातों में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। इसी संबंध में पंचायत संचालनालय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र क्रमांक/15वे वित्त/1206/2021/395 दिनांक 20 दिसंबर 2021 के माध्यम से यह निर्देश भी जारी किया गया कि 15वें वित्त आयोग अंतर्गत संचालित बैंक खातों में किसी प्रकार का परिवर्तन आयुक्त, पंचायत संचालनालय की पूर्व अनुमति प्राप्त होने के पश्चात ही किया जाएगा। जिला पंचायत बेमेतरा द्वारा संचालनालय से प्राप्त समस्त निर्देशों का नियमानुसार पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्यासा चांपा: भीषण गर्मी में एक भी सार्वजनिक प्याऊ नहीं, सूचना देने के बाद भी नहीं जगे सीएमओ

- 'वाटर एटीएम है' कहकर पल्ला झाड़ रहे सीएमओ, हकीकत में वाटर एटीएम ही सूखे, जनता खरीदकर पीने को मजबूर, एसी दफ्तर में बैठा प्रशासन, सड़क पर झुलसती जनता

चांपा/मूक पत्रिका

नगर में भीषण गर्मी के बीच आम जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है, लेकिन नगर पालिका की उदासीनता और लापरवाही ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। हैरानी की बात यह है कि पूरे चांपा नगर में एक भी सार्वजनिक प्याऊ संचालित नहीं है, जबकि तापमान लगातार बढ़ रहा है और रोजाना कई लोग प्यास से जूझ रहे हैं। जब इस गंभीर समस्या की जानकारी चांपा नगर पालिका के सीएमओ राम संजीवन सोनवानी को दी गई, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला रहा। सीएमओ ने कहा कि बस स्टैंड और बीडीएम अस्पताल में वाटर एटीएम लगे हैं, लोग वहीं से पानी पी लें। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वाटर एटीएम लंबे समय से बंद पड़े हैं और उनमें पानी तक नहीं आ रहा। बीडीएम अस्पताल में लगे वाटर एटीएम से कभी पानी आता है और कभी नही आता। ऐसे स्थिति में लोगों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ता है। स्थिति यह है कि बस स्टैंड और बीडीएम अस्पताल जैसे प्रमुख स्थानों पर रोजाना सैकड़ों-हजारों लोग आते हैं, जिनमें यात्री, मरीज और उनके परिजन शामिल हैं। इस भीषण गर्मी में जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब लोग मजबूरी में दुकानों से महंगे दामों पर ठंडा पानी खरीदने को विवश हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि चांपा नगर पालिका और विशेषकर सीएमओ को आम जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है। सूचना देने के बावजूद न तो वाटर एटीएम की मरम्मत कराई गई और न ही अस्थायी प्याऊ की कोई व्यवस्था की गई। लोगों का कहना है कि सीएमओ अपने एसी दफ्तर और एसी कार से बाहर निकलकर कभी जमीनी हालात देखने की जरूरत ही नहीं समझते। नगरवासियों ने यह भी बताया कि पूर्व में जो भी सीएमओ पदस्थ रहे, कम से कम नगर में दिखाई तो देते थे और सफाई व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं का जायजा लेते थे। लेकिन वर्तमान सीएमओ का नगर में दर्शन तक दुर्लभ है। सुबह-सुबह सफाई व्यवस्था की स्थिति क्या है, इसकी जानकारी लेना भी वे जरूरी नहीं समझते। केवल बड़े अधिकारियों के दौरे के समय ही वे सक्रिय नजर आते हैं, उसके बाद फिर वही उदासीन रवैया। कुछ जागरूक नागरिकों ने यह भी कहा कि वर्तमान सीएमओ युवा हैं, उनसे नगर के विकास को लेकर सक्रियता और नए प्रयोगों की उम्मीद थी। उन्हें चाहिए था कि वे अपने कार्यों में रुचि लेते, जनता की समस्याओं को समझते और चांपा नगर के लिए कुछ नया करने का प्रयास करते। लेकिन उनके व्यवहार और कार्यशैली से ऐसा प्रतीत होता है कि वे केवल औपचारिक ड्यूटी निभाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं।

जलदूत ऐप से कुओं के जलस्तर का होगा प्री-मानसून सर्वे, 25 मई से 15 जून तक जिले के सभी गांवों में चलेगा विशेष अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर की वास्तविक स्थिति का आंकलन करने एवं जल संरक्षण गतिविधियों की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के उद्देश्य से जिले में 25 मई से 15 जून 2026 तक विशेष प्री-मानसून भूजल सर्वे अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के सभी गांवों में उपलब्ध कुओं का सर्वे ÷जलदूत ऐप÷ के माध्यम से किया जाएगा तथा जलस्तर संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। यह अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। सर्वे कार्य में मनरेगा अंतर्गत कार्यरत तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्हें गांवों में उपलब्ध कुओं का निरीक्षण कर जलस्तर की माप लेकर उसकी जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड करनी होगी।

प्रत्येक गांव में 2 से 3 कुओं का किया जाएगा सर्वे

निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक गांव में उपलब्ध कुओं में से कम से कम 2 से 3 कुओं का चयन कर उनका प्री-मानसून सर्वे किया जाएगा। चयनित कुओं में उपलब्ध जल की वर्तमान स्थिति, जल की गहराई एवं जलस्तर से संबंधित आंकड़ों को जलदूत ऐप में दर्ज किया जाएगा।

भूजल संरक्षण एवं जल प्रबंधन में मिलेगी मदद

इस सर्वे अभियान के माध्यम से जिले में भूजल स्तर का वैज्ञानिक आंकलन संभव हो सकेगा। वर्षा पूर्व एकत्रित आंकड़ों की तुलना मानसून उपरांत प्राप्त आंकड़ों से कर जल संरक्षण कार्यों, भूजल पुनर्भरण तथा जल उपलब्धता की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण किया जा सकेगा। इससे भविष्य में जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन से संबंधित योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने में सहायता मिलेगी।

आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के लिए राज्य सरकार की बड़ी पहल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शीघ्र शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन 1076

जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को दी गई तकनीकी एवं प्रशासनिक जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी एवं जनकेंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली शीघ्र प्रारंभ की जा रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित यह प्रणाली नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं तक सरल पहुंच उपलब्ध कराने तथा उनकी शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सलाहकार अनुराग दीवान सहित जिला पंचायत सीईओ, डीएफओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखंड स्तर के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े।बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली की कार्यप्रणाली, ऑनलाइन शिकायत पंजीयन, मॉनिटरिंग व्यवस्था एवं शिकायत निराकरण की चरणबद्ध प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पोर्टल एवं डैशबोर्ड संचालन, शिकायतों के वर्गीकरण, ट्रैकिंग एवं समयसीमा आधारित निराकरण की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

टोल फ्री नंबर 1076 सहित कई माध्यमों से दर्ज होगी शिकायत

वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप से भी मिलेगी सुविधा-प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 पर कॉल कर, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप अथवा लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायत 24म7 दर्ज करा सकेगा। शिकायत दर्ज होते ही शिकायतकर्ता को एक यूनिक शिकायत क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से वह अपनी शिकायत की वर्तमान स्थिति, संबंधित विभाग एवं अधिकारी की जानकारी तथा समाधान की समयसीमा देख सकेगा। सीएम हेल्पलाइन सेंटर सप्ताह के सातों दिन एवं चौबीसों घंटे संचालित रहेगा, जिससे नागरिकों को किसी भी समय अपनी समस्या दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी। शासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिक भी इस सुविधा का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें 7

तकनीक आधारित मॉनिटरिंग से बढ़ेगी जवाबदेही-लंबित शिकायतों पर रहेगी मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी

शिकायत दर्ज होने के पश्चात संबंधित विभाग एवं अधिकारी तक प्रकरण तत्काल ऑनलाइन माध्यम से पहुंच जाएगा। पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ी होगी, जिससे प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा सकेगी तथा शिकायतों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना कम होगी। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि शिकायतों के निराकरण के बाद संबंधित नागरिक से फीडबैक लिया जाएगा। शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत का अंतिम निराकरण माना जाएगा। यदि शिकायतकर्ता असंतोष व्यक्त करता है, तो शिकायत स्वतः पुनः सक्रिय होकर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर भेज दी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

पारदर्शी एवं जनकेंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शासन और जनता के बीच मजबूत होगा संवाद एवं विश्वास

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मैदानी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों को तकनीकी एवं प्रशासनिक रूप से सुदृढ़ बनाना, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा शासन और जनता के बीच पारदर्शिता एवं विश्वास को बढ़ावा देना है। इस पहल से आम नागरिकों की समस्याओं का घर बैठे एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सकेगा। राज्य सरकार की यह नई व्यवस्था सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनसुविधा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे नागरिकों को शासन की सेवाओं का लाभ अधिक सरलता एवं प्रभावशीलता के साथ प्राप्त होगा।

संपादकीय

चार धाम यात्रा -हेलिकॉप्टर हादसों ने बढ़ाई उत्तराखंड में सुरक्षा की चिंता

बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा।उत्तराखंड अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंची-ऊंची चोटियों और धार्मिक स्थलों की वजह से दुनिया भर में प्रसिद्ध है। पर्यटन का कारोबार राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। खासकर चार धाम यात्रा के लिए यहां साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन उस लिहाज से व्यवस्थागत ढांचे का विस्तार नहीं हो पाया है।पहाड़ी प्रदेश होने की वजह से यहां के मौसम में अचानक बदलाव आने से भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाएं आम बात हैं। ऐसे में पर्यटकों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं, पर्यटकों को ले जाने और वापस लाने वाले हेलिकॉप्टर के हादसाग्रस्त हो जाने की घटनाएं भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं।ऐसी ही एक घटना बुधवार सुबह हुई, जब बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा।

इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा, हालांकि उसमें सवार यात्री सुरक्षित हैं।उत्तराखंड सरकार की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं और प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मगर सवाल है कि सरकार के ये कदम क्या सिर्फ राजस्व अर्जित करने तक सीमित हैं, या पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था को भी केंद्र में रखा जाता है? यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि पहाड़ी प्रदेश होने के नाते क्षेत्रीय मौसम में बदलाव का सटीक पूर्वानुमान लगाने की व्यवस्था हो, ताकि पर्यटकों और परिवहन एजेंसियों को पहले ही संभावित खतरे से सतर्क किया जा सके।

इससे पहले भी चार धाम यात्रा मार्ग पर हेलिकॉप्टरों के हादसे का शिकार होने की घटनाएं हो चुकी हैं। मगर ऐसा लगता है कि इन हादसों से शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। हालांकि, सरकार की ओर से धार्मिक यात्रा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है, लेकिन जब तक इसे कड़ाई से लागू नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार नहीं हो पाएगा।

हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है।

भारत में जानलेवा हुई गर्मी के साइड इफेक्ट्स समझिए, इसके कारण और बचाव के उपाय जानिए

(कमलेश पांडे)

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है।

हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है। बेशक अपवाद भी होंगे, लेकिन अल्पमत में, जिनकी लोकतंत्र में कम कद्र होती आई है।

वहीं, भारत में बढ़ती खतरनाक गर्मी केवल मौसमी बदलाव नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, तेजी से शहरीकरण, जंगलों की कटाई और प्रदूषण का संयुक्त परिणाम बन चुकी है। हाल के वर्षों में उत्तर भारत, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य भारत में 46 डिग्री, 48 डिग्री तक तापमान दर्ज हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय भट्ठी बना हुआ है। हमारे शहर हीट आइलैंड में तब्दील होते जा रहे हैं। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक, ज्यादातर शहरों में औसत तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ऊपर चल रहा है। कहीं कहीं तो पिछले 14-15 वर्षों के रिकॉर्ड टूट चुके हैं। कोढ़ में खाज यह कि फिलहाल राहत के संकेत नहीं है, क्योंकि अल-नीनो की वजह से मौसम आगे और कड़ी परीक्षा ले सकता है।

अलबत्ता आप मानें या न मानें, लेकिन गर्मी की बढ़ती प्रवृति में भविष्य के लिए सबसे बड़ा संदेश छिपा हुआ है। वह यह कि यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो भारत में गर्मी केवल असुविधा नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक संकट बन सकती है। लिहाजा, आने वाले वर्षों में जल संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ ऊर्जा ही सबसे बड़े समाधान होंगे।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है। और तो और, साल 2015 से 2020 के दरम्यान लू वाले दिनों का औसत 7.4 दिन से बढ़कर 32.2 दिन हो गया है, और यह लगातार बढ़ रहा है। इसका गहरा दुष्प्रभाव हमारी सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ने के आसार प्रबल हैं।

हमारे शहरों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि वो अंधाधुंध विकास की होड़ में अपनी हरियाली उजाड़कर उन्हें कंक्रीट के जंगलों में तब्दील करते जा रहे हैं। लिहाजा, भारत में गर्मी अब हर साल एक नया रेकॉर्ड बना रही है। चिंताजनक बात यह है कि दिन तो तपते ही हैं, अब रातें भी तपने लगी हैं और

राहत देने वाली नहीं रहीं। इस 20 मई को दिल्ली ने मई महीने में 13 साल की सबसे गर्म रात देखी, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। 21 मई को स्थिति उससे भी ज्यादा बुरी हुई।इस प्रकार से हाल के बरसों में हीटवेव की तीव्रता, उसका समय और सीमा अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। इससे शहरों पर संकट ज्यादा है, जो घटती हरियाली, बढ़ते कंक्रीट स्ट्रक्चर और प्रदूषण की वजह से अर्बन हीट आईलैंड इफेक्ट झेल रहे हैं।

इससे हमारे कामकाज पर भी नकारात्मक असर पड़ चुका है, क्योंकि मौसम की यह मार दोतरफा है- सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ चुकी है। नैशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, 2025 में हीट स्ट्रोक के सात हजार से ज्यादा सस्पेक्टेड केस सामने आए थे। हालांकि माना जाता है कि भारत में हीट स्ट्रोक और उससे होने वाली मौतों का सही आंकड़ा रिपोर्ट नहीं हो पाता। क्योंकि देश की एक बड़ी आबादी मौसम का सीधा वार झेलती रहती है। इनमें गिग वर्कर्स, दिहाड़ी मजदूर, स्ट्रीट वेंडर्स वगैरह भी शामिल हैं। चूंकि घर बैठने से न इनका काम चलेगा और न अपने देश का। लिहाजा इस मौसम में ये सबसे ज्यादा जोखिम में ये लोग ही होते हैं। किसान और मजदूर भी इन्हीं जैसे होते हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते है, जैसे सार्वजनिक शेल्टर, पेयजल की व्यवस्था और जहां संभव हो वहां काम के घंटों और चरित्र में बदलाव। इसे गंभीर चेतावनी के रूप में लिया जा सकता है।

चूंकि बढ़ती हुई गर्मी से हमारी आपकी कार्यक्षमता पर सीधा असर पड़ता है, काम के घंटे कम होते हैं और प्रॉडक्टिविटी भी घट जाती है। लिहाजा यह बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। एक आकलन के मुताबिक, यदि यही हाल रहा तो 2030 तक गर्मी की वजह से भारत की जीडीपी का 4.5 प्रतिशत प्रभावित होगा। ये सारे आंकड़े एक गंभीर चेतावनी हैं। चूंकि क्लाइमेट चेंज की वजह से मौसम के और बिगड़ने की आशंका है, इसलिए बेहतर रहेगा अगर हमलोग अपनी तैयारी पहले से कर लें।

भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण जानिए – भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं- पहला, जलवायु परिवर्तन- धरती का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक रिपोर्टों के अनुसार मानव गतिविधियों से पैदा हुई ग्लोबल वार्मिंग ने भारत में हीटवेव को अधिक लंबा और तीव्र बना दिया है। दूसरा, जंगलों की कटाई- पेड़ प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम होते हैं। लिहाजा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई से नमी कम हो रही है, वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है, जमीन अधिक गर्म हो रही है। तीसरा, शहरी हीट आइलैंड प्रभाव -कंक्रीट, डामर, वाहन, एसी और उद्योग शहरों को हीट ट्रैप बना रहे हैं। शहर रात में भी गर्म बने रहते हैं। चौथा, प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसें- कोयला, पेट्रोल-डीजल, फैक्ट्रियों और वाहनों से निकलने वाली गैसें वातावरण में गर्मी रोकती हैं। पांचवां, कमजोर मानसून और एल-नीनो- एल-नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएँ भारत में सूखा और गर्म हवाएँ बढ़ाती हैं। छठा, भूजल की कमी और सूखी जमीन जब मिट्टी में नमी कम होती है तो धरती तेजी से गर्म होती है। इससे लू और अधिक खतरनाक हो जाती है। सातवां, अनियोजित विकास- खुले मैदान कम होना, झीलों और तालाबों का खत्म होना, अत्यधिक कंक्रीट निर्माण इनसे स्थानीय तापमान तेजी से बढ़ रहा है।

गर्मी से होने वाले खतरे को समझिए – गर्मी से होने वाले खतरे निम्नलिखित हैं- हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हार्ट और बीपी की समस्या, बच्चों और बुजुर्गों में मृत्यु जोखिम, फसल नुकसान, बिजली और पानी संकट श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, भारत में हीटवेव से स्वास्थ्य संकट तेजी से बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ये हैं व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान – व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान इस प्रकार हैं- पहला, दोपहर में बाहर निकलने से बचें, विशेषकर 12 बजे से 4 बजे तक। दूसरा, पर्याप्त पानी पिएँ, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी। तीसरा, हल्के सूती कपड़े पहनें, गहरे रंग और टाइट कपड़ों से बचें। चौथा, शरीर को ठंडा रखें, सिर ढकें, छाता प्रयोग करें, गीला कपड़ा रखें। पांचवां, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान, उन्हें बंद और गर्म कमरों में न रखें।

हमें सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए

सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित – कदम उठाने चाहिए- पहला, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण- यह सबसे सस्ता और प्रभावी उपाय है। दूसरा, तालाब और जलस्रोत बचाना- स्थानीय तापमान कम करने में मदद मिलती है। तीसरा, कूल रूफ अभियान- सफेद या परावर्तक छतें घरों को ठंडा रखती हैं। चौथा, शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाना- पार्क ग्रीन कॉरिडोर, छायादार सड़कें। पांचवां, प्रदूषण नियंत्रण- स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देना।

क्या 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन है?

(अवतेंश चित्राश)

कॉकरोच पृथ्वी पर डायनासोर से भी पहले से मौजूद जीव माना जाता है। यह एक निशाचर कीड़ा है, जो अंधेरी, गर्म और नम जगहों में पनपता है।सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन नहीं है, जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। ऐसे में सवाल यह है कि सोशलमीडिया पर बने हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक आधार क्या है, सिवाय इसके कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी का विरोध कर रही है? वह पूरे राजनीतिक तंत्र का विरोध नहीं कर रही, जिसे बदलने के उद्देश्य से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।

एक कहावत है—भागते भूत की लंगोटी ही सही – दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के कर्ताधर्ता अभिजीत दीपके ने कुछ ऐसा ही किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में, जब भ्रम आग से भी तेज गति से फैलता है, तब भारत के चीफ जस्टिस का एक शब्द कॉकरोच का दीपके ने जिस तरह इस्तेमाल किया, उसने उसे अचानक चर्चा के केंद्र में ला दिया।

हालांकि, इस भ्रम के टूटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, क्योंकि केजेपी के पास कोई ठोस नैतिक आधार नहीं है। और राजनीति में वैचारिक व नैतिक जमीन का होना पहली शर्त माना जाता है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं, इसे समझने के लिए उस संदर्भ को समझना जरूरी है, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कॉकरोच शब्द को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। यह संदर्भ स्वयं युवाओं, विशेषकर जेन-जी, के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती को उजागर करता है। जेन-जी के भीतर विभाजन की शुरुआत ही आरक्षण व्यवस्था से हो जाती है, जो अवसर की समानता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आती है। सवाल यह है कि अभिजीत दीपके इस चुनौती का सामना कैसे करेंगे?

कहां से शुरू हुआ यह मामला?- पूरा मामला दिल्ली हाई कोर्ट के वकील संजय दुबे की एक याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अयोग्य वकीलों को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने का विरोध किया था। इस याचिका की सुनवाई भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने संजय दुबे से पूछा कि क्या उनके पास अपने सीनियर एडवोकेट के दर्जे के लिए मुकदमा लड़ने के अलावा कोई और मामला नहीं है? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, पूरी दुनिया शायद सीनियर दर्जे के लिए पात्र हो सकती है, लेकिन कम-से-कम आप नहीं हैं।

यदि हाई कोर्ट आपको सीनियर घोषित भी कर देता है, तो हम आपके पेशेवर आचरण को देखते हुए उसे रद्द कर देंगे। सुनवाई के दौरान वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का मुद्दा भी उठा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जा रही सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानून की डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी उपयुक्त मामले की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली के कई वकीलों की डिग्रियों की सत्यता की जांच सीबीआई से कराई जा सके, क्योंकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया कई कारणों से इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।

इसी दौरान चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता संजय दुबे से कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते रहते हैं। क्या आप भी उन्हीं के साथ जुड़ना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि कुछ युवा रोजगार न मिलने और अपने पेशे में जगह न बना पाने के कारण कॉकरोच की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उनमें से कुछ मीडिया में पहुंच जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, तो कुछ अन्य प्रकार के एक्टिविस्ट बनकर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं। चीफ जस्टिस की इन टिप्पणियों को पढ़ने के बाद सवाल उठता है कि क्या हमारे सिस्टम में योग्य युवाओं की तुलना में अयोग्य लोगों को अधिक अवसर और लाभ नहीं मिल रहा? और इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभिजीत दीपके योग्य युवाओं के साथ खड़े हैं या उन अयोग्य कॉकरोचों के साथ, जिनकी ओर चीफ जस्टिस ने संकेत किया था?

अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक उल्लेखनीय प्रसंग – योग्यता और अयोग्य कॉकरोचों की इस चर्चा के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक प्रसंग भी उल्लेखनीय है। अभिजीत दीपके, केजरीवाल के आंदोलन से जुड़े रहे हैं और उनकी तुलना महात्मा गांधी से करते हैं।

तकनीक और आराम की बढ़ती चाह के बीच खामोश होते रिश्ते और बदलता इंसान का चेहरा

सुविधाओं की अंधी दौड़ में हम जरूरत और लालच के बीच की रेखा को मिटा रहे हैं। नदियों के सूखते किनारे, उजाड़ होते पहाड़ और दिनोंदिन जहरीली होती फिजा इंसानी लालच की कहानी चीख-चीख कर सुना रही है। आज आधी दुनिया प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध की आग में झुलस रही है, जिसका कुप्रभाव मनुष्यों के साथ ही प्रकृति पर भी पड़ रहा है। प्राकृतिक संसाधन राख के ढेर में बदलते जा रहे हैं। तकनीक और नैतिकता के संबंध को समझाने के लिए वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का एक प्रसिद्ध कथन है- 'हमारी तकनीकी प्रगति इतनी तेज हो चुकी है कि वह मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आपसी समझ से भी आगे निकल गई है।'

(अलका 'सोनी')

आज सुविधाओं का युग है, जहां हर इंसानी जरूरत के लिए अभूतपूर्व सुविधाएं, तकनीक और विकल्प मौजूद हैं। जिनकी वजह से हमारा जीवन तेज, सरल और आरामदायक हो गया है। मगर हर सुविधा अपने साथ एक नैतिक प्रश्न भी लेकर आती है कि क्या हम इन सुविधाओं के उपयोग के लिए उतने ही जिम्मेदार हैं, जितना कि इन्हें पाने के लिए उत्साहित होते हैं? आज के परिप्रेक्ष्य में यह प्रश्न बेहद महत्त्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यही द्वंद्व सुविधाओं के बरक्स हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने लिए धरती से कितना ले रहे हैं! महात्मा गांधी ने कहा था, 'पृथ्वी हर मनुष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन हर मनुष्य के लालच के लिए नहीं।'

सुविधाओं की अंधी दौड़ में हम जरूरत और लालच के बीच की रेखा को मिटा रहे हैं। नदियों के सूखते किनारे, उजाड़ होते पहाड़ और दिनोंदिन जहरीली होती फिजा इंसानी लालच की कहानी चीख-चीख कर सुना रही है। आज आधी दुनिया प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध की आग में झुलस रही है, जिसका कुप्रभाव मनुष्यों के साथ ही प्रकृति पर भी पड़ रहा है। प्राकृतिक संसाधन राख के ढेर में बदलते जा रहे हैं। तकनीक और नैतिकता के संबंध को समझाने के लिए वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का एक प्रसिद्ध कथन है- 'हमारी तकनीकी प्रगति इतनी तेज हो चुकी है कि वह मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आपसी समझ से भी आगे निकल गई है।'

आज हम सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत संवाद कर सकते हैं, लेकिन यही सुविधा फर्जी खबरों, नाहक परेशान करने और 'साइबर बुलिंग' यानी इंटरनेट पर डराने-धमकाने या प्रताड़ित करने की घटनाओं को भी जन्म दे रही है। ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जहां झूठी खबरों के कारण समाज में तनाव और हिंसा तक फैल जाती है। इन सारी घटनाओं से यही पता चलता है कि सुविधा के साथ विवेक और नैतिकता का होना कितना आवश्यक है।

व्यक्तिगत जीवन में भी सुविधाओं का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उदाहरण के लिए ई-वाणिज्य की सुविधा ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, लेकिन अनावश्यक खरीदारी और पैकेटों के कचरे ने पर्यावरण पर भारी दबाव भी डाला है। यहां सवाल उठता है कि क्या हम महज अपनी सुविधा के लिए प्रकृति का दोहन कर सही कर रहे हैं? आज इन सुविधाओं के आदि हो चुके लोग, अपने से कम संपन्न रिश्तेदारों के घर जाने से भी कतराते हैं। कारण वहां उन सुविधाओं का अभाव होना है, जिनकी उन्हें आदत पड़ चुकी होती है। पहले जहां परिवार के साथ बैठकर बातचीत होती थी, अब वही समय मोबाइल स्क्रीन के सामने बीतता है। इसकी वजह से पारिवारिक मूल्य भी बिखर रहे हैं। अगर हम इसी तरह सुविधाओं में डूबे रहेंगे और अपने संबंधों और जिम्मेदारियों को भूल जाएंगे, तो यह हमारे लक्ष्य से भटकने का ही संकेत है।

पर्यावरण के संदर्भ में सुविधाओं की कीमत तो और भी गंभीर है। वातानुकूलन यंत्र, कार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने जीवन को आरामदायक बनाया है, लेकिन इनके कारण होने वाले प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि हमारे हाथों अब कुछ नहीं बचा। हर व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकता है। जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा की बचत और जिम्मेदार तरीके से उसका उपभोग कर बड़े परिवर्तन की शुरुआत तो कर ही सकते हैं।

सुविधाओं की असमानता भी एक बड़ा नैतिक मुद्दा है। एक ओर कुछ लोग अत्याधुनिक तकनीकों का आनंद ले रहे हैं, दूसरी ओर बहुत से लोग बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। भीमराव आंबेडकर ने कहा था, 'मनुष्य की महानता इस बात में नहीं है कि वह कितना धन अर्जित करता है, बल्कि इस बात में है कि वह समाज के लिए कितना योगदान देता है।' यह कथन हमें याद दिलाता है कि सुविधाओं का सही उपयोग तभी है, जब वह समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी हो, क्योंकि यह समाज में असंतोष को बढ़ावा देता है।

शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल सुविधाओं ने नई संभावनाएं खोली हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन ने एक नई असमानता को जन्म भी दिया है। जैसा कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट और उपकरण नहीं थे, वे पीछे छूट गए। यहां नैतिक जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ हर जागरूक नागरिक की है कि वह इस अंतर को कम करने में योगदान दे।

सुविधाओं के प्रति अत्यधिक निर्भरता भी चिंता का विषय है। जब हम हर छोटे काम के लिए तकनीक पर निर्भर हो जाते हैं, तो हमारी आत्मनिर्भरता कमजोर हो जाती है। हमें अपनी क्षमताओं को जरूर विकसित करना चाहिए, लेकिन उन पर अपनी निर्भरता को नियंत्रित रखना चाहिए।

इसका अर्थ यह नहीं है कि सुविधाओं का त्याग कर देना चाहिए। बल्कि समाधान यह है कि हम सुविधाओं का उपयोग विवेक, संतुलन और जिम्मेदारी के साथ करें। हमें यह समझना होगा कि हर सुविधा के साथ एक नैतिक दायित्व भी जुड़ा होता है। अगर हम तकनीक का उपयोग समाज के हित में करें, पर्यावरण का ध्यान रखें और अपने संबंधों को प्राथमिकता दें, तो सुविधाएं हमारे जीवन को समृद्ध बना सकती हैं। सुविधाओं के बरक्स हमें यह सिखाता है कि सच्ची प्रगति केवल भौतिक उन्नति को पाने की अंधी दौड़ में नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय मूल्यों के संरक्षण में है। जब सुविधा और नैतिकता साथ-साथ चलें, तभी एक संतुलित और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की

पदस्थापना में अनियमितता पर कार्रवाई के संकेत, महिला एवं बाल विकास विभाग में हड़कंप

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मेकरी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक- 3 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की पदोन्नति एवं नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। इस प्रकरण को गंभीर मानते हुए कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ रवि कुमार शर्मा के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग को भेजी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि जनदर्शन के माध्यम से प्राप्त शिकायत में पदोन्नति संबंधी अनियमितता उजागर हुई। शिकायत के अनुसार श्रीमती कमला दिवाकर, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण है, जन्मतिथि के आधार पर 44 वर्ष से अधिक आयु होने के कारण अपात्र पाई गईं। वहीं सुश्री मंजू कुमारी यादव की शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होने के बावजूद नियम क्रमांक 2.1.6 के तहत मान्य करते हुए उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र मेकरी- 3 में रिक्त पद पर कार्यकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया। इस संबंध में परियोजना अधिकारी द्वारा आदेश क्रमांक 1069 दिनांक 23 जनवरी 2026 को जारी किया गया था। हालांकि, छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के नियुक्ति निर्देशों की कंडिका क्रमांक 2.1.4 में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाली एवं सभी अर्हताएं रखने वाली पात्र सहायिका उपलब्ध हो, तो उनमें से अधिक अनुभव रखने वाली सहायिका को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस प्रावधान की अनदेखी किए जाने को लेकर विभागीय स्तर पर गंभीर आपत्ति दर्ज की गई। मामले में परियोजना अधिकारी पामगढ़ से कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन समय पर जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके पश्चात पुनः कारण बताओ सूचना जारी की गई, बावजूद इसके आज दिनांक तक कोई स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ। इसे शासकीय आदेशों की अवहेलना, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी तथा शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही और उदासीनता माना गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। यह मामला अब विभागीय स्तर पर कार्रवाई की ओर बढ़ गया।

झीरम घाटी शहादत दिवस पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा द्वारा सोमवार को राजीव भवन बेमेतरा में झीरम घाटी शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर वर्ष 2013 के झीरम घाटी कांड में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि 25 मई का दिन छत्तीसगढ़ एवं देशभर के कांग्रेसजनों के लिए अत्यंत दुखद और भावुक दिन है। उन्होंने कहा कि झीरम घाटी में शहीद हुए नेताओं का बलिदान, संघर्ष और कांग्रेस विचारधारा के प्रति उनका समर्पण सदैव याद रखा जाएगा।श्रद्धांजलि सभा में शहीद महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल एवं उदय मुदलियार सहित अन्य दिवंगत कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। आशीष छाबड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनसेवा की विचारधारा पर कार्य करती रही है तथा झीरम घाटी के शहीद नेताओं का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर शहीद नेताओं के बताए मार्ग पर चलने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मिथलेश वर्मा, दिनेश पटेल, शशि प्रभा गायकवाड, शकुन्तला साहू, रूबी सलूजा, ललित विश्वकर्मा, सुमन गोस्वामी, प्रांजल तिवारी, मनोज शर्मा, दीपक दिनकर, प्रकाश ठाकुर, भाव सिंह राज, चितरेन वर्मा, विकाश चौबे, रग्घू तिवारी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण एवं अग्रिम उठाव कराने कलेक्टर ने दिए निर्देश

निर्माण कार्यों का समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराएं

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 25 मई 2026 कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में आगामी खरीफ सीजन के लिए खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण किया जाकर किसानों को अग्रिम उठाव के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी कृषि विभाग के उप संचालक को दिए हैं। समीक्षा के दौरान उप संचालक ने बताया कि जिले के किसानों द्वारा खाद-बीज का उठाव प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर ने जिले में संचालित निर्माण कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए। उचित मूल्य दुकानों के लिए भवनों का निर्माण बारिश के पूर्व करने तथा पहुंचविहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न का अग्रिम भंडारण करने के लिए निर्देशित किया गया। दूरसंचार टॉवर की स्थापना कार्य की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई एवं सभी एसडीएम को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए मौसमी बीमारियों पर सतत निगरानी एवं त्वरित उपचार के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए गए। मनरेगा के अंतर्गत संचालित सभी कार्यों को 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा करने कहा गया। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं श्री ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

अपर कलेक्टर श्री गुड्डूलाल जगत ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

60 आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश, कई मामलों का मौके पर समाधान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसा बीते सोमवार को कलेक्टरेट कार्यालय स्थित जनदर्शन कक्ष में अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें लेकर पहुंचे। अपर कलेक्टर जगत ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनदर्शन के दौरान प्राप्त आवेदनों के संबंध में अपर कलेक्टर जगत ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से तत्काल निर्देशित किया तथा आवश्यक मामलों में अधिकारियों को मौके पर उपस्थित होकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने कहा। कई प्रकरणों में आवेदकों की समस्याओं का समाधान जनदर्शन स्थल पर ही कर दिया गया, जिससे आमजन ने प्रशासन की तत्परता पर संतोष व्यक्त किया। आयोजित जनदर्शन में कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व प्रकरणों, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे। तात्कालिक महत्व के आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागों को समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने, राशन कार्ड सुधार, पेयजल समस्या, विद्युत आपूर्ति, राजस्व सीमांकन एवं भूमि संबंधी विवादों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। नागरिकों ने शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभ दिलाने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी। अपर कलेक्टर जगत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी पात्र हितग्राही को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सके।

प्रथम बस्तर आवासीय खेल अकादमी हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ

28-29 मइ का जगदलपुर मं होगा राज्य स्तरीय चयन ट्रायल, 13 से 17 वर्ष के खिलाड़ी ले सकेंगे भाग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रथम बस्तर आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल 2026-27 की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह चयन ट्रायल अकादमी संचालन नियम 2014 के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। विभाग द्वारा तीरंदाजी, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स खेल विधाओं के लिए 28 एवं 29 मई 2026 को क्रीड़ा परिसर धरमपुरा, जगदलपुर में चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। चयन ट्रायल में फुटबॉल के लिए 25 खिलाड़ियों तथा एथलेटिक्स एवं तीरंदाजी के लिए 20-20 खिलाड़ियों की संख्या निर्धारित की गई है। प्रथम दिवस खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज परीक्षण एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण किया जाएगा, जबकि द्वितीय दिवस खेल कौशल परीक्षण आयोजित होगा। विभाग ने बताया कि चयन ट्रायल में ऐसे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने संबंधित खेल विधा में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया हो या पदक प्राप्त किया हो। साथ ही चयनित होने के पश्चात आवासीय अकादमी में रहने के इच्छुक खिलाड़ी ही पात्र होंगे। प्रथम बस्तर आवासीय खेल अकादमी में चयनित खिलाड़ियों को आवासीय सुविधा के साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, शिक्षा, भोजन तथा दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए उपेंद्र सेंगर, सहायक जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से मोबाइल नंबर 9826168395 पर संपर्क किया जा सकता है।

चुनाव के बाद लगातार चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि, उसके बाद भी कई पेट्रोल पंपों में ताले जड़े — ईंधन नहीं मिल पाने से जनता त्रस्त एवं आक्रोशित

देश एवं प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि, बढ़ते ईंधन संकट तथा किसानों के लिए आवश्यक खाद (डी.ए.पी./यूरिया) की कमी ने आम जनता, किसानों, मजदूरों, युवाओं, कर्मचारियों एवं मध्यम वर्ग की चिंताओं को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी एवं माननीय प्रधानमंत्री हड्डहद्दठ्ठस्त्रहड्ड रूभ्सस्त्रद्ध की सरकार द्वारा लगातार चौथी बार पेट्रोल एवं डीजल के मूल्यों में वृद्धि किए जाने से आम नागरिकों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद प्रदेश एवं जिले के कई पेट्रोल पंपों में अब भी ताले लटके हुए हैं और आम जनता को समय पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बेमेतरा आशीष छाबड़ा ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज देश की जनता महंगाई की मार से कराह रही है। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों का सीधा असर आम लोगों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। परिवहन खर्च बढ़ने के कारण खाद्य सामग्री, सब्जियां, दाल, तेल, गैस सिलेंडर, निर्माण सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का घर चलाना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा सरकार लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है, वहीं दूसरी ओर बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद भी आम लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिले एवं प्रदेश के कई पेट्रोल पंपों में आज भी ताले लगे हुए हैं तथा आम नागरिक, किसान एवं वाहन चालक ईंधन के लिए भटकने को मजबूर हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि भाजपा सरकार व्यवस्था संभालने में पूरी तरह असक्षम एवं विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल बड़े-बड़े भाषण देने में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्तर पर जनता मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। आज हर वर्ग—किसान, मजदूर, युवा, व्यापारी, कर्मचारी एवं आम नागरिक—सरकार की नीतियों से परेशान एवं निराश दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ती महंगाई ने लोगों की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया है तथा आम नागरिकों की बचत और आय पर सीधा असर पड़ा है। आशीष छाबड़ा ने कहा कि किसानों की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। खेती-किसानी में डीजल की अत्यधिक आवश्यकता होती है, क्योंकि ट्रैक्टर, पंप, हार्वेस्टर एवं अन्य कृषि उपकरण डीजल पर निर्भर हैं। डीजल के दामों में लगातार वृद्धि होने से खेती की लागत बढ़ती जा रही है, जिससे किसानों की आर्थिक कमर टूट रही है। इसके साथ ही प्रदेश एवं जिले में डी.ए.पी. एवं यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं हो पा रही है। किसान घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं, फिर भी उन्हें समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। किसानों को समय पर खाद, बीज एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सरकार असफल रही है। सरकार की लापरवाही एवं गलत नीतियों का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। यदि समय रहते खाद की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले समय में खेती एवं उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे, जिसका सीधा असर आम जनता पर भी पड़ेगा। छाबड़ा ने कहा कि आज देश में बेरोजगारी और महंगाई दोनों चरम पर हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, मजदूर वर्ग को पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही और आम जनता लगातार आर्थिक बोझ के नीचे दबती जा रही है। भाजपा सरकार केवल प्रचार-प्रसार एवं झूठे वादों में व्यस्त है, जबकि जनता मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं आम जनता की आवाज बनकर खड़ी रही है। कांग्रेस पार्टी जनहित एवं किसान हित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ जनता की लड़ाई लड़ती रहेगी। कांग्रेस पार्टी किसानों को उनका हक एवं अधिकार दिलाने तथा महंगाई के खिलाफ जनता की आवाज बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध है। आशीष छाबड़ा ने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए, प्रदेश एवं जिले में पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, किसानों को पर्याप्त मात्रा में डी.ए.पी. एवं यूरिया खाद उपलब्ध कराया जाए तथा महंगाई पर नियंत्रण हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आम जनता, किसानों एवं मजदूरों के अधिकारों की रक्षा हेतु सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी और जनता के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

'वाटर एटीएम है' कहकर पल्ला झाड़ रहे सीएमओ, हकीकत में वाटर एटीएम ही सूखे, जनता खरीदकर पीने को मजबूर

प्यासा चांपा : भीषण गर्मी में एक भी सार्वजनिक प्याऊ नहीं, सूचना देने के बाद भी नहीं जगे सीएमओ

चांपा/मूक पत्रिका

नगर में भीषण गर्मी के बीच आम जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है, लेकिन नगर पालिका की उदासीनता और लापरवाही ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। हैरानी की बात यह है कि पूरे चांपा नगर में एक भी सार्वजनिक प्याऊ संचालित नहीं है, जबकि तापमान लगातार बढ़ रहा है और रोजाना कई लोग प्यास से जूझ रहे हैं। जब इस गंभीर समस्या की जानकारी चांपा नगर पालिका के सीएमओ राम संजीवन सोनवानी को दी गई, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला रहा। सीएमओ ने कहा कि बस स्टैंड और बीडीएम अस्पताल में वाटर एटीएम लगे हैं, लोग वहीं से पानी पी लें। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वाटर एटीएम लंबे समय से बंद पड़े हैं और उनमें पानी तक नहीं आ रहा। बीडीएम अस्पताल में लगे वाटर एटीएम से कभी पानी आता है और कभी नही आता। ऐसे स्थिति में लोगों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ता है। स्थिति यह है कि बस स्टैंड और बीडीएम अस्पताल जैसे प्रमुख स्थानों पर रोजाना सैकड़ों-हजारों लोग आते हैं, जिनमें यात्री, मरीज और उनके परिजन शामिल हैं। इस भीषण गर्मी में जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब लोग मजबूरी में दुकानों से महंगे दामों पर ठंडा पानी खरीदने को विवश हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि चांपा नगर पालिका और विशेषकर सीएमओ को आम जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है। सूचना देने के बावजूद न तो वाटर एटीएम की मरम्मत कराई गई और न ही अस्थायी प्याऊ की कोई व्यवस्था की गई। लोगों का कहना है कि सीएमओ अपने एसी दफ्तर और एसी कार से बाहर निकलकर कभी जमीनी हालात देखने की जरूरत ही नहीं समझते। नगरवासियों ने यह भी बताया कि पूर्व में जो भी सीएमओ पदस्थ रहे, कम से कम नगर में दिखाई तो देते थे और सफाई व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं का जायजा लेते थे। लेकिन वर्तमान सीएमओ का नगर में दर्शन तक दुर्लभ है। सुबह-सुबह सफाई व्यवस्था की स्थिति क्या है, इसकी जानकारी लेना भी वे जरूरी नहीं समझते। केवल बड़े अधिकारियों के दौरे के समय ही वे सक्रिय नजर आते हैं, उसके बाद फिर वही उदासीन रवैया। कुछ जागरूक नागरिकों ने यह भी कहा कि वर्तमान सीएमओ युवा हैं, उनसे नगर के विकास को लेकर सक्रियता और नए प्रयोगों की उम्मीद थी। उन्हें चाहिए था कि वे अपने कार्यों में रुचि लेते, जनता की समस्याओं को समझते और चांपा नगर के लिए कुछ नया करने का प्रयास करते। लेकिन उनके व्यवहार और कार्यशैली से ऐसा प्रतीत होता है कि वे केवल औपचारिक ड्यूटी निभाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं।

भीषण गर्मी में पानी जैसी मूलभूत सुविधा को नजरअंदाज करना नगर पालिका की संवेदनहीनता को दर्शाता है। अब देखना यह होगा कि खबरों और जनआक्रोश के बाद नगर पालिका और सीएमओ इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम उठाते हैं या चांपा की जनता यूं ही प्यास से जूझने को मजबूर रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

चूना पत्थर के अवैध परिवहन पर हाईवा जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 25 मई 2026/ खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु खनिज टीम द्वारा सोमवार को तहसील बरमकेला क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौण खनिज चूनापत्थर के अवैध परिवहन करते हुए हाईवा क्रमांक ष्टत्र-13र्क्र 6626 पर कार्यवाही करते हुए थाना बरमकेला के सुरक्षार्थ में दिया गया। कलेक्टर के निर्देश पर खनि अधिनियम के तहत यह कार्यवाही की गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन पर सारंगढ़ बस स्टैंड में यात्री सुविधा विस्तार के लिए 50 लाख स्वीकृत

सारंगढ़-बिलाईगढ़, 25 मई 2026/उप मुख्यमंत्री सह नगरीय प्रशासन विकास मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सारंगढ़ नगरपालिका परिषद के बस स्टैंड में यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत किया है। विभाग ने इसकी मंजूरी का आदेश जारी कर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रावधानों के अनुरूप अधोसंरचना मद से यह राशि मंजूर की है।

घरघोड़ा तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता के 10 दिनों मे पिता और माता का निधन, परिवार में शोक की लहर

घरघोड़ा। घरघोड़ा तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता की माता सावित्री गुप्ता का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज कुमार गुप्ता के पिता कृष्ण गोपाल का निधन 16 मई 2026 को हुआ था। परिवार अभी इस दुख से उबर भी नहीं पाया था कि 25 मई 2026 को उनकी माता ने भी अंतिम सांस ले ली। महज 10 दिनों के भीतर माता-पिता दोनों का साया उठ जाने से परिवार गहरे सदमे में है। बताया जा रहा है कि दोनों पिछले करीब दो महीनों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। परिवार द्वारा लगातार उनका उपचार कराया जा रहा था, लेकिन नियति के आगे सभी प्रयास असफल रहे। माता पिता दोनों नाती पोतो से खेलता भरा पूरा परिवार छोड़कर चले गए। माता-पिता दोनों के निधन से तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता और उनका पूरा परिवार गहरे दुख में डूबा हुआ है। इस दुखद समाचार के बाद प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने शोक व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

लॉगबुक से लेकर AI-पावर्ड केयर तक सैमसंग ने भारत में कस्टमर सर्विस के 30 साल पूरे किए

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने भारत में अपनी कस्टमर सर्विस के 30 साल पूरे किए हैं। यह 1990 के दशक के बीच में दिल्ली में एक छोटे से सर्विस ऑपरेशन से देश के सबसे बड़े और सबसे डिजिटली-कनेक्टेड कस्टमर केयर इकोसिस्टम में से एक बनने तक का सफर तय करता है। जब सर्विस अभी भी एनालॉग थी सैमसंग की कस्टमर सर्विस में बदलाव की कहानी भारत के अपने टेक्नोलॉजिकल बदलाव को काफी हद तक दिखाती है — हाथ से लिखे शिकायत रजिस्टर, पेजर और फिजिकल सर्विस विज़िट के ज़माने से लेकर AI-पावर्ड डायग्नोस्टिक्स, कनेक्टेड अप्लायंसेज और प्रेडिक्टिव केयर इकोसिस्टम तक। जब सैमसंग ने मार्च 1996 में भारत में अपना पहला सर्विस सेंटर खोला, तो देश बहुत अलग दिखता था। फ़ोन और इंटरनेट बहुत कम थे और कस्टमर रिक्वेस्ट भीड़-भाड़ वाले ऑफिस डेस्क पर रखे रजिस्टर में मैन्युअली रिकॉर्ड की जाती थीं। सैमसंग इंडिया के सर्विस ऑपरेशंस के डायरेक्टर राजीव गुप्ता ने कहा, उस समय, कस्टमर केयर असल में बहुत पर्सनल होता था। कस्टमर अक्सर सीधे सर्विस सेंटर जाते थे क्योंकि घरों में टेलीफोन आम नहीं थे। सर्विस रिक्वेस्ट को रजिस्टर में हाथ से डाला जाता था, और इंजीनियर लॉगबुक, पेपर स्लिप और टूलकिट लेकर शहरों में घूमते थे। दिसंबर 1996 तक, सैमसंग पूरे भारत में 21 सर्विस सेंटर तक फैल चुका था। 1997 में, इंजीनियरों ने कस्टमर अलर्ट पाने के लिए पेजर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया — यह उस समय एक छोटी लेकिन ज़रूरी टेक्नोलॉजिकल छलांग थी।

8 करोड़ से अधिक नुकसान की आशंका, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना; जांच शुरू

ईटपाल के तेंदूपत्ता गोदाम में भीषण आग, 25 हजार बोरी जलकर खाक

मूक पत्रिका/ बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले के ईटपाल स्थित तेंदूपत्ता गोदाम में सोमवार दोपहर अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम में रखी हजारों बोरी तेंदूपत्ता उसकी चपेट में आकर जलकर खाक हो गई। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक घटना में 8 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार आग दोपहर करीब 3 बजे लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरा गोदाम धुएं और आग की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। हालांकि तेज लपटों और गोदाम में बड़ी मात्रा में संग्रहित तेंदूपत्ता होने के कारण आग पर काबू पाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।

घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। प्रशासनिक अधिकारी और वन विभाग की टीम भी घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने में जुटी रही। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सीसीएफ बस्तर आलोक तिवारी ने बताया कि गोदाम की कुल क्षमता लगभग 50 हजार बोरों की है। अब तक आठ समितियों के माध्यम से करीब 25 हजार वास्तविक बोरे गोदाम में पहुंच चुके थे। इनमें लगभग 12 से 13 हजार मानक बोरे शामिल थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 8 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

उन्होंने बताया कि घटना के समय आसपास की वनोपज समितियों के प्रबंधक और श्रमिक लंच ब्रेक पर थे। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने की एक संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि गोदाम परिसर में भोजन पकाना और ज्वलनशील वस्तुएं रखना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

घटना के बाद कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। जब गोदाम में तेंदूपत्ता ढुलाई का कार्य चल रहा था, तब गोदाम प्रभारी और जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर मौजूद थे क्या? यदि शॉर्ट सर्किट हुआ, तो उसकी जानकारी समय रहते कर्मचारियों को क्यों नहीं मिल सकी? इन सवालों को लेकर स्थानीय लोगों में भी चर्चा बनी हुई है। प्रशासन ने आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

झीरम की त्रासदी पर राजनीति करना बंद करे कांग्रेस : केदार कश्यप

वन मंत्री केदार कश्यप का कांग्रेस पर पलटवार

अपने शासनकाल में जाँच आगे नहीं बढ़ा पाने वाली कांग्रेस अब जनता को गुमराह कर रही

भाजपा पर आरोप लगाने से पहले कांग्रेस अपने पाँच साल का जवाब दे

मूक पत्रिका/रायपुर। झीरम घाटी की दर्दनाक घटना को लेकर कांग्रेस द्वारा दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि कांग्रेस एक बार फिर शहीद नेताओं की संवेदनाओं का राजनीतिक दोहन कर रही है। भाजपा और तत्कालीन सरकार पर निराधार आरोप लगाकर कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि झीरम घाटी की घटना पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक थी। इस घटना में कई वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्राण गँवाए। भाजपा ने हमेशा इस घटना की निष्पक्ष जाँच और दोषियों को सजा दिलाने की बात कही है। लेकिन कांग्रेस लगातार इस संवेदनशील विषय को राजनीतिक हथियार बनाकर जनता की भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह बताए कि वर्ष 2018 से 2023 तक जब प्रदेश में उसकी सरकार थी, तब उसने जाँच को अंतिम निष्कर्ष तक क्यों नहीं पहुँचाया? यदि कांग्रेस के पास इतने तथ्य और सबूत थे तो पाँच वर्षों तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? केवल बयानबाजी और राजनीतिक आरोप लगाने से सत्य स्थापित नहीं होता।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि उनके शासनकाल में गठित एसआईटी ने आखिर क्या ठोस उपलब्धि हासिल की? कांग्रेस सरकार ने जनता को केवल आश्वासन दिया, लेकिन परिणाम शून्य रहे। अब सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा पर झूठे आरोप लगाकर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

रायगढ़ की बेटी काव्या पटेल ने महाराष्ट्र की धरती पर रचा इतिहास

भारत उत्सव 2026 में रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

रायगढ़। शहर के टीवी टावर फॉरेस्ट कॉलोनी निवासी श्रीमती कामिनी पटेल की पुत्री कुमारी काव्या पटेल ने महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित भारत उत्सव 2026 डांस, ड्रामा एंड वोकल फेस्टिवल में शानदार उपलब्धि हासिल कर रायगढ़ शहर का मान बढ़ाया है। 16 से 22 मई 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों एवं शहरों से आए सैकड़ों कलाकारों ने नृत्य, नाट्य, गीत एवं संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। इस आयोजन में रायगढ़ की प्रतिभाशाली बेटी कुमारी काव्या पटेल ने नृत्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वरीयता सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

विदित हो कि काव्या पटेल सेंट टेरेसा स्कूल में कक्षा छठवीं की छात्रा हैं। शिक्षा के साथ-साथ उन्हें नृत्य एवं संगीत में विशेष रुचि है और वे बाल्यकाल से ही कला साधना में निरंतर सक्रिय रही हैं।

बेटी की इस सफलता पर उनकी माता श्रीमती कामिनी पटेल ने काव्या की मेहनत, लगन एवं प्रशिक्षकों के कुशल निर्देशन की सराहना करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

काव्या की इस उपलब्धि से परिजनों, विद्यालय परिवार एवं नाते-रिश्तेदारों में खुशी और उत्साह का माहौल है। रायगढ़वासियों ने भी इस होनहार बेटी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

कोटवारी भूमि पर कैसे बने आलीशान मकान-बाड़ी ? सरिया तहसील में अवैध खरीद-फरोख्त और कब्जे की चर्चाएं तेज... (पार्ट-01)

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का सरिया तहसील क्षेत्र इन दिनों कई कारणों से लगातार चर्चा में बना हुआ है। क्षेत्र में अवैध डोलोमाइट खनन, शासकीय भूमि पर कब्जे और कोटवारी भूमि के उपयोग को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अब कोटवारी जमीन पर कथित अवैध कब्जा, खरीद-फरोख्त और मकान-बाड़ी निर्माण को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे राजस्व व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार सरिया तहसील क्षेत्र में डोलोमाइट पत्थर के अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। क्षेत्र के कई गांवों में खदान संचालन और पत्थर क्रेशरों में बड़े पैमाने पर पत्थर खपाए जाने की बातें स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। सबसे गंभीर सवाल उन कोटवारी जमीनों को लेकर उठ रहे हैं, जिन्हें मूल रूप से ग्राम कोटवारों के दायित्व निर्वहन और शासकीय व्यवस्था से जुड़े उपयोग के लिए चिन्हित किया गया था। अब इन्हीं जमीनों पर कथित रूप से निजी उपयोग, निर्माण कार्य और कब्जे की चर्चा ने नया विवाद खड़ा कर दिया है।

स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि आखिर कोटवारी भूमि, जिसकी प्रकृति शासकीय और सीमित उपयोग वाली मानी जाती है, वहां किस आधार पर मकान-बाड़ी और अन्य निर्माण खड़े हो रहे हैं। यदि किसी भूमि की खरीदी-बिक्री या निजी उपयोग की अनुमति नहीं है, तो फिर इस तरह के निर्माण और कथित लेन-देन कैसे संभव हो रहे हैं? क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कुछ स्थानों पर कोटवारी भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त का खेल लंबे समय से चल रहा है और इस पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से मामला और गंभीर होता जा रहा है।

इन मामलों के सामने आने के बाद राजस्व विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में दिखाई दे रही है। लोगों के बीच चर्चा है कि जिन जमीनों की निगरानी और अभिलेखीय सुरक्षा की जिम्मेदारी व्यवस्था पर है, वहां लगातार विवाद और कब्जे की स्थिति आखिर कैसे बन रही है। इसी बीच संबंधित ग्राम कोटवार की जीवनशैली और कोटवारी भूमि पर निर्माण को लेकर भी क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि इन दावों और चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इस पूरे मामले में जुड़े तथ्यों, संबंधित भूमियों और जिम्मेदार पक्षों को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई है, जिन पर अगली कड़ी में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कृषि विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कलेक्टर द्वारा एग्रीस्टेक में शेष कृषकों का शीघ्र पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश

समस्त किसानों को खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के निर्देश

रासायनिक खाद का अधिक दर पर विक्रय करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 25 मई 2026/कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में सोमवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उमेश साहू, डिप्टी कलेक्टर, वर्षा बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, आशुतोष श्रीवास्तव, उप संचालक कृषि, शीतल भोई, डीएमओ सारंगढ़, अपेक्स बैंक नोडल, सहकारिता विभाग के अधिकारी, जिले के समस्त तहसीलदार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, सारंगढ़, बरमकेला एवं बिलाईगढ़, कृषि विभाग के मैदानी स्तर के समस्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि विकास अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा जिले के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांर्गत एग्रीस्टेक में पंजीयन हेतु शेष बचे कृषकों का एक सप्ताह के अंदर शतप्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। खरीफ 2025 में धान बेचने वाले ऐसे कृषक जिनका एग्रीस्टेक में पंजीयन नही हुआ था उन कृषकों का 15 जून तक फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। कृषक 15 जून तक फार्मर रजिस्ट्री नही कराते है तो खरीफ 2026 में सहकारी समिति में धान विक्रय से वंचित हो जायेंगे। साथ ही शासन की विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं से लाभ मिलना बंद हो जायेगा।

बैठक में कलेक्टर ने रासायनिक खाद विक्रय पर किसी भी प्रकार के अनियमितता या अधिक दर पर विक्रय किये जाने पर कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव के द्वारा सभी उर्वरक विक्रेताओं को खरीफ 2026 में सभी वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने एवं कृषकों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। जिला में निगरानी समिति का गठन कर उर्वरकों की बिक्री पर कड़ी नजर रखते हुए उर्वरकों के अवैध भंडारण, जमाखोरी, कालाबाजारी, अधिक दर आदि के संबंध में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। अभी तक जिले में 44 विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिसमे से 7 उर्वरक विक्रेताओं का प्राधिकार पत्र निलंबन की कार्यवाही की गयी है तथा 26 विक्रेताओं को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया हैं। वर्तमान में जिले के सहकारी समितियों में रासायनिक खाद 17345 मे.टन एवं बीज 10140 क्विंटल भण्डारण किया गया है साथ ही जिले के समस्त किसानों को खाद एवं बीज का तत्काल उठाव करने हेतु सलाह दिया गया है।

मृतक का बेटा बनकर हड़पी 3.25 हेक्टेयर जमीन, फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सूरजपुर। जमीन हड़पने के लिए ऐसा फर्जी खेल खेला गया जिसने राजस्व रिकॉर्ड की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर दिए। मृत व्यक्ति का फर्जी वारिस बनाकर करोड़ों की जमीन अपने नाम कराने वाले आरोपी को आखिरकार चंदौरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला ग्राम बंशीपुर की 3.25 हेक्टेयर जमीन से जुड़ा है, जहां 75 वर्षीय शिवचरण निवासी ग्राम परमेश्वरपुर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि अशोक सिंह और उसके पिता लक्ष्मण सिंह ने धोखाधड़ी, छल और फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन पर कब्जा कर लिया है। जांच एसडीओपी प्रतापपुर को सौंपी गई। दस्तावेजों और कथनों की पड़ताल में खुलासा हुआ कि शिवभजन की मौत 20 सितंबर 2014 को हो चुकी थी, लेकिन मौत के दो साल बाद 20 मई 2016 को फर्जी नामांतरण आदेश जारी कराया गया और 27 जून 2016 को फौती नामांतरण में लक्ष्मण सिंह पिता जोखन सिंह का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी मुआवजा और नौकरी हासिल करने की नीयत से खुद को मृतक का वैध उत्तराधिकारी साबित कर रहे थे। मामले में थाना चंदौरा में अपराध क्रमांक 56/26 के तहत धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120(बी), 34 भादंसं के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया।

डेढ़ माह से अधूरा पड़ा पुरानी हटरी का सड़क नाली निर्माण कार्य

खुली नालियों से दुर्घटना का खतरा, व्यवसाय हो रहा प्रभावित, लेट लतीफी पर कार्यवाही कबज??

मूक पत्रिका/रायगढ़= शहर के वार्ड क्रमांक 17 स्थित पुरानी हटरी क्षेत्र में चल रहा सड़क और नाली निर्माण कार्य अब लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया है।लगभग डेढ़ महीने से जारी निर्माण कार्य अब भी पूरा नहीं हो सका है।जिसकी वजह से व्यवसायियों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों को पिछले लगभग माह भर से खुला छोड़ दिया गया है, जिसके कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार हटरी चौक में लगभग 11.50 लाख रुपए की लागत से करीब 350 मीटर सड़क एवं नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है। प्रारंभिक दिनों में कार्य तेजी से शुरू हुआ, लेकिन सप्ताहभर बाद ही निर्माण की रफ्तार अचानक थम गई।कभी लेबर की समस्या तो कभी मटेरियल की कमी इस कार्य में रोड़ा बन रही है।वही निगम के अधिकारियों की माने तो नाली निर्माण कार्य में डिस्मेंटल की समस्या भी रही।वर्तमान में भी इसका कार्य कछुआ गति से जारी है।जहां बाजार में पूरी नाली को ही खुला छोड़ दिया गया है।जिसमें प्रतिष्ठान संचालकों के साथ ही ग्राहक भी लगातार हादसों का शिकार हो रहे है।बावजूद इसके निगम प्रशासन इस कार्य को पूरा करने कोई भी गंभीरता दिखाता नहीं जान पड़ता।इस मार्ग में देर रात हादसों का खतरा बढ़ जाता है।स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि अधूरे निर्माण कार्य का सीधा असर उनके व्यवसाय पर पड़ रहा है। सड़क किनारे गड्ढे होने और कीचड़ जैसी स्थिति बनने से ग्राहक दुकानों तक पहुंचने में असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं वाहन पार्किंग की समस्या भी गंभीर हो गई है।

लेट लतीफी पर कार्यवाही कब– बीते कुछ महीनों में निगम द्वारा निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले आधे दर्जन से अधिक ठेकेदारों पर ब्लैक लिस्टेड की कार्यवाही की गई।बावजूद इसके निर्माण कार्यों में इनका दिलचस्पी न दिखाना और निगम का कार्यवाही न करना इनके मध्य मजबूत संबंध को दर्शाता है।जहां लगातार हो रहे दुर्घटनाओं की संभावना के बावजूद निगम के जिम्मेदार अधिकारी जल्द कार्य पूरा कराने असफल साबित हुए है।

दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी किसकी–नगर निगम में ठेकेदारो की मनमानी कार्यप्रणाली का ही नतीजा है कि स्वीकृति के बाद भी शहर के वार्डो में कई कार्य वर्षो से अधूरे ही पड़े है।हालांकि इन पर निगम ने गाहे बगाहे कार्यवाही तो जरूर की।परन्तु इसका कोई सकारात्मक परिणाम निर्माण कार्यों में तेजी के रूप में सामने नहीं आ सका है।बहरहाल अधूरे पड़े कार्य की वजह से होने वाले गंभीर हादसों की जिम्मेदारी क्या निगम प्रशासन लेगा।या फिर महज कार्यवाही की औपचारिकता निभा ठेकेदार को ही अभयदान मिलेगा।

क्या कहते है मुन्ना ओझा सब इंजीनियर नगर निगम– वार्ड क्रमांक 17 में सड़क और नाली निर्माण कार्य में प्रतिष्ठान संचालकों को कुछ भाग डिस्मेंटल करने कहा गया था।जिसमें अधिक देरी हुई।ठेकेदार को जल्द कार्य पूरा करने निर्देशित किया जाएगा।

धरमजयगढ़ में गौ–तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 8 मवेशियों से भरी पिकअप जब्त

खड़गांव में मवेशी तस्करी का बड़ा खुलासा, डायल 112 की कार्रवाई में 8 मवेशियों से भरी पिकअप जब्त

मूक पत्रिका/ धरमजयगढ़= धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खड़गांव में बीती रात मवेशी तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। एक पिकअप वाहन को पकड़ा, जिसमें 8 नग मवेशियों को कथित रूप से ठूंस-ठूंस कर क्रूरतापूर्वक भरा गया था। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को हिरासत में लिया, जबकि वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पिकअप वाहन में ठूंसकर भरे गए थे मवेशी, कागजात भी नहीं मिले– पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पिकअप वाहन क्रमांक ष्टत्र 12 ,स 8363 में 8 नग मवेशी भरे हुए मिले। वाहन में दो व्यक्ति बैठे थे, जिनसे पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम सत्यपाल राठिया एवं तिहारू राम राठिया निवासी चाकामार नवाना थाना रजगामार जिला कोरबा बताया। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा मवेशियों के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। वहीं मवेशियों को बिना चारा-पानी एवं बेहद अमानवीय तरीके से वाहन में भरकर ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार यह पशुओं के प्रति क्रूरता एवं छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम का उल्लंघन माना गया।बताया जा रहा है कि वाहन चालक रमेश राठिया निवासी चाकामार नवापारा थाना रजगामार जिला कोरबा, पुलिस कार्रवाई के दौरान वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज, इलाके में चर्चा तेज– धरमजयगढ़ पुलिस ने मामले में प्रथम दृष्ट्या अपराध पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 एवं 10 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पिकअप वाहन समेत 8 मवेशियों को जब्त कर थाना परिसर लाया गया। घटना के बाद इलाके में मवेशी तस्करी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रात के अंधेरे में लगातार मवेशियों के परिवहन की शिकायतें मिलती रही हैं, लेकिन इस बार डायल 112 की त्वरित कार्रवाई से बड़ा मामला पकड़ में आया है।स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए फरार आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और मवेशी तस्करी के नेटवर्क की गहन जांच की मांग की है।

भाठिया राजेंद्र कोलवॉशरी में ड्राइवर शिवमुनी यादव की मौत से उठे कई सवाल! हादसा, लापरवाही या छुपाया जा रहा कोई बड़ा राज?

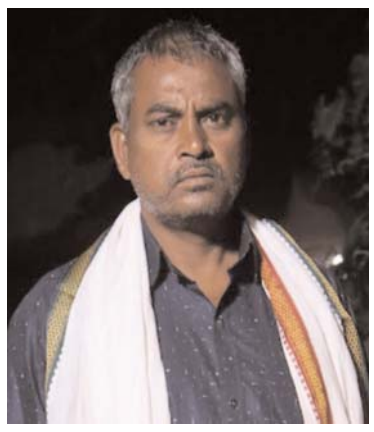

मूक पत्रिका/खरसिया= छोटे डुमरपाली स्थित भाठिया राजेंद्र कोलवॉशरी में ड्राइवर शिवमुनी यादव की मौत अब पूरे क्षेत्र में रहस्य और चर्चा का विषय बन चुकी है। घटना के बाद मजदूरों, ड्राइवरों और स्थानीय लोगों के बीच भारी डर और आक्रोश का माहौल है। हर कोई यही सवाल पूछ रहा है – आखिर शिवमुनी यादव की मौत कैसे हुई? क्या यह सिर्फ एक हादसा था या इसके पीछे कोई ऐसा सच छुपा है जिसे सामने आने से रोका जा रहा है?

जानकारी के अनुसार, शिवमुनी यादव मूलतः बिहार का रहने वाला था और बम्हनपाली में अपने परिवार के साथ रहकर ड्राइवरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि उसके चार छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से अब पिता का साया उठ चुका है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जा रहा है कि रविवार तड़के करीब 3:30 बजे यह घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवमुनी यादव ट्रक के नीचे सो रहा था और जिस वाहन के नीचे सो रहा था उशी वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। लेकिन इस कहानी पर अब लगातार सवाल उठ रहे हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इतनी भीषण गर्मी में आखिर कोई व्यक्ति ट्रक के नीचे क्यों सोएगा? और यदि वह ट्रक के नीचे सो रहा था, तो क्या वहां कोई और मौजूद नहीं था? क्या किसी ने उसे देखा नहीं? सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस ट्रक के नीचे वह सोया था, क्या उस ट्रक चालक को इसका पता नहीं चला? क्या वाहन चलाने से पहले किसी ने नीचे झांककर नहीं देखा? क्या वहां मौजूद किसी अन्य मजदूर, ड्राइवर या कर्मचारियों ने कुछ भी नहीं देखा या सुना?

लोगों का कहना है कि यदि ट्रक पूरी तरह उसके ऊपर चढ़ गया, तो इतनी बड़ी घटना का एहसास आखिर किसी को क्यों नहीं हुआ? यही सवाल अब पूरे मामले को और भी संदिग्ध बना रहे हैं।

घटना के तुरंत बाद जिस तरह शव को जल्दबाजी में खरसिया सिविल अस्पताल मे छोड़ के भाग गए, उसने भी लोगों के मन में कई शंकाएं पैदा कर दी हैं। आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों की गई? क्या किसी बात को छुपाने की कोशिश हो रही थी? क्या मौत के पीछे कोई दूसरा कारण है, जिसे हादसे का रूप देकर दबाने का प्रयास किया जा रहा

कोलवॉशरी में काम करने वाले मजदूरों और ड्राइवरों में इस घटना के बाद भारी आक्रोश का माहौल है। उनका कहना है –

卐आज शिवमुनी यादव के साथ हुआ, कल हमारे साथ भी हो सकता है।卐

मजदूर पूछ रहे हैं कि आखिर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? यदि एक गरीब परिवार का कमाने वाला सदस्य इस तरह अपनी जान गंवा देता है, तो क्या कुछ समय बाद मामला दबा देना ही समाधान है?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि भाठिया राजेंद्र कोलवॉशरी में पहले भी कई हादसे और मौत की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन हर बार मामला शांत करा दिया जाता है। यही वजह है कि अब लोग इस घटना की निष्पक्ष और गहराई से जांच की मांग कर रहे हैं।

क्षेत्रवासियों की मांग है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, घटनास्थल की बारीकी से जांच हो और यह स्पष्ट किया जाए कि आखिर शिवमुनी यादव की मौत वास्तव में कैसे हुई। यदि किसी की लापरवाही, दबाव या साजिश सामने आती है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अब पूरे इलाके में एक ही आवाज गूंज रही है – 卐यदि शिवमुनी यादव ट्रक के नीचे था, तो क्या चालक को इसका पता नहीं चला? क्या वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने कुछ नहीं देखा? आखिर इस मौत के पीछे का सच क्या है? सच्चाई सामने आनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

झीरम के जख्म 13 साल बाद भी हरेः खरसिया ने नम आंखों से अपने जननायक नंदकुमार पटेल और बलिदानी दिनेश पटेल को किया नमन

परिवर्तन यात्रा के नायक की शहादत को याद कर रो पड़ा खरसिया

पिता के अधूरे सपनों को साकार करने का है संकल्प ङ्क उमेश पटेल शांति बगिया से लेकर स्मारक स्थल तक उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सेवा कार्यों से दी गई श्रद्धांजलि

मूक पत्रिका/खरसिया= 25 मई 2013ज छत्तीसगढ़ के इतिहास का वह काला दिन जिसे कोई भी प्रदेशवासी शायद ही कभी भुला पाए। बस्तर की झीरम घाटी में लोकतंत्र को लहूलुहान कर देने वाले उस दर्दनाक नक्सली हमले को आज 13 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह वह भीषण हमला था जिसमें कांग्रेस पार्टी ने एक ही झटके में अपना पूरा शीर्ष नेतृत्व खो दिया था। इस नरसंहार में दिग्गज नेताओं, कार्यकर्ताओं और जवानों सहित 32 लोगों की शहादत हुई थी, जिनमें खरसिया के माटीपुत्र, तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष स्व. नंदकुमार पटेल और उनके युवा सुपुत्र दिनेश पटेल भी शामिल थे।

सदियों में जन्म लेते हैं ऐसे जननायक– राजनीति के पटल पर 'पटेल जी' जैसे जननायक विरले ही होते हैं। उनके जैसे नेता सदियों में एकाध बार ही जन्म लेते हैं और सीधे जनता के दिलों पर राज करते हैं। आज उनकी 13वीं पुण्यतिथि पर खरसिया के लोगों की भावनाएं हिलोरें मार रही हैं और पूरा अंचल अपने नेता की याद में भावुक हो उठा है। सड़क से लेकर सदन तक जनता की आवाज बुलंद करने वाले नंदकुमार पटेल केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि जन-जन के नेता थे। जब वे 'परिवर्तन यात्रा' का नेतृत्व कर रहे थे, तब उनकी लोकप्रियता और संघर्ष ने पूरे प्रदेश में एक नई ऊर्जा भर दी थी। झीरम घाटी में पिता के साथ आखिरी सांस तक डटे रहने वाले दिनेश पटेल की शहादत को याद कर आज भी खरसिया वासियों का गला रुंध जाता है। उनके जाने का असीम दुख आज भी रायगढ़ जिले और खासकर खरसिया के लोगों के दिलों में एक गहरी टीस बनकर चुभता है।

शांति बगिया' में छलक उठीं आंखें– आज सोमवार, 25 मई को 'झीरम श्रद्धांजलि दिवस' के अवसर पर समूचे खरसिया क्षेत्र में विविध गरिमामय व सेवाभावी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह से ही उनके गृह ग्राम नंदेली स्थित 'शांति बगिया' समाधि स्थल पर लोगों का भारी तांता लगा रहा। क्षेत्रीय विधायक और स्व. पटेल के सुपुत्र उमेश पटेल ने अपने परिजनों, वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं और भारी संख्या में उपस्थित आमजनों के साथ पिता व भाई की समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया। इस दौरान समाधि स्थल पर आयोजित सुंदरकांड पाठ की चौपाइयों के बीच माहौल बेहद गमगीन और आध्यात्मिक नजर आया

पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प– शहीद पटेल की याद में आज खरसिया का कोना-कोना उनके सेवा और समर्पण के संस्मरणों से जीवंत हो उठा। मदनपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यहाँ कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने स्व. नंदकुमार पटेल के जमीनी जुड़ाव, उनके कड़े संघर्षो और संगठन कौशल को याद किया। इस दौरान विधायक उमेश पटेल अपने पिता और बड़े भाई के उन संघर्षों और क्षेत्र की जनता के प्रति उनके अगाध प्रेम का जिक्र करते हुए बेहद भावुक हो गए।

उन्होंने कहा कि, ÷शहीद पिता नंदकुमार पटेल के अधूरे सपनों को साकार करने के लिए हम दृढ़ संकल्पित हैं।÷ विधायक पटेल ने कहा कि 25 मई 2013 का दिन न केवल खरसिया बल्कि समूचे प्रदेश कांग्रेस के लिए काला दिन था। उस दिन झीरम घाटी नक्सली हमले में मेरे पिता नंदकुमार पटेल, भाई दिनेश पटेल, महेन्द्र कर्मा, विद्याचरण शुक्ल सहित लगभग 30 लोगों की शहादत हुई थी। अपने पिता को नमन करते हुए उमेश पटेल ने कहा कि उनके पिता ने खरसिया को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण ग्राम, गरीब, मजदूर और किसानों की सेवा में लगाया था। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके अधूरे कार्यो को आगे बढ़ाना ही हमारी तरफ से उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी

अपने पिता को नमन करते हुए उमेश पटेल– कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण और शहर के नेताओं एवं कार्यकर्ताओ ने शहीद नंदकुमार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात, ठुसेकेला के बारातोरहीन दाई चौक पर स्थापित शहीद नंदकुमार पटेल एवं दिनेश पटेल की आदमकद प्रतिमाओं पर विधायक उमेश पटेल सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की।

घरघोड़ा, धरमजयगढ़, छाल, खरसिया क्षेत्र में रातभर होती है रेत और गिट्टी की तस्करी

खनिज अमले ने अवैध रेत और गिट्टी से भरे 5 भारी वाहन किया जब्त

मूक पत्रिका/रायगढ़= जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज अमला लगातार विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कस रहा है। इसी कड़ी में शनिवार रात से रविवार सुबह तक खनिज उडऩदस्ता दल ने घरघोड़ा, धरमजयगढ़, छाल और खरसिया क्षेत्र में व्यापक जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान रेत खदानों और खनिज परिवहन कर रहे भारी वाहनों की सघन जांच की गई।

जिला खनिज अधिकारी रमाकांत सोनी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में संलिप्त कुल 5 भारी वाहनों को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। अभियान के दौरान रेत खदानों, खनिज परिवहन मार्गों तथा संदेहास्पद भारी वाहनों की लगातार जांच की गई। जांच के दौरान घरघोड़ा क्षेत्र में अवैध रूप से खनिज रेत का परिवहन करते पाए जाने पर एक हाईवा वाहन को जब्त किया गया।

फिलहाल, विभागीय कार्रवाई के बाद उक्त वाहन को सुरक्षा की दृष्टि से घरघोड़ा थाना में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार पूंजीपथरा क्षेत्र में निम्न श्रेणी चूना पत्थर एवं गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए दो हाईवा और दो ट्रेलर सहित कुल 4 वाहनों को पकड़ा गया। विभागीय अधिकारियों ने वाहनों की जांच के बाद उन्हें जब्त कर पूंजीपथरा थाना में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखा है। पूछताछ में वाहन चालकों ने बताया कि गिट्टी सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के टिमरलगा एवं गुढ़ेली क्षेत्र की खदानों से लोड कर लाई गई थी।

जिला खनिज विभाग ने सभी संबंधित वाहन मालिकों एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं 23(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। विभाग के अनुसार प्रकरणों में नियमानुसार आगे दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। रात्रिकालीन कार्रवाई में सहायक खनि अधिकारी आशीष गढ़पाले, खनि निरीक्षक सोमेश्वर सिन्हा सहित जिला खनिज उडऩदस्ता दल के जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे। पूरी कार्रवाई के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए खनिज परिवहन मार्गों पर जांच अभियान संचालित किया गया।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार लगातार सघन कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

जोगीडीपा में बेदखली नोटिस से मचा हड़कंप : रायगढ़ निगम पहुंचे पीड़ित, कांग्रेस ने बनाई जांच टीम

मूक पत्रिका/रायगढ़= शहर के जोगीडीपा और फौजदार पारा क्षेत्र में प्रस्तावित केनाल लिंक रोड निर्माण को लेकर विवाद गहराने लगा है। नगर निगम द्वारा इलाके के कई परिवारों को अतिक्रमण और बिना अनुमति निर्माण संबंधी नोटिस जारी किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति बन गई है।

नोटिस मिलने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष नगर निगम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क निर्माण से संभावित विस्थापन, पुनर्वास और भविष्य की व्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे वर्षों से इस क्षेत्र में रहकर जीवन-यापन कर रहे हैं और अचानक नोटिस मिलने से उनके सामने आवास और रोजगार दोनों का संकट खड़ा हो गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रायगढ़
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)

भवन अधिकारी
नगर पालिक निगम
रायगढ़ (छ.ग.)

निगम ने मांगे वैध दस्तावेज– नगर निगम प्रशासन की ओर से जारी सूचना में संबंधित लोगों से भूमि और निर्माण से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रशासन का कहना है कि जिन निर्माणों के पास आवश्यक अनुमति नहीं होगी, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

महापौर बोले- प्रभावित परिवारों का रखा जाएगा ध्यान– महापौर जीवर्धन चौहान ने प्रभावित लोगों से मुलाकात के दौरान कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में मानवीय पक्ष को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण के दौरान कम से कम परिवार प्रभावित हों, इसका प्रयास किया जाएगा।

महापौर ने कहा कि यदि किसी परिवार का विस्थापन होता है तो उसके लिए उचित पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाएगा। उन्होंने पूर्व की नगर विकास परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी प्रभावित लोगों के लिए व्यवस्थाएं की गई थीं।

राजनीतिक बयानबाजी भी तेज– मामले को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि परियोजना की चौड़ाई, दायरा और प्रभावित क्षेत्र की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिना पारदर्शिता और स्पष्ट नीति के लोगों को नोटिस भेजना उचित नहीं है। पार्टी ने पूरे मामले की जांच और प्रभावित परिवारों से चर्चा के लिए एक समिति गठित करने की बात कही है।

जांच समिति करेगी क्षेत्र का दौरा– जानकारी के अनुसार गठित समिति क्षेत्र का निरीक्षण करेगी और स्थानीय रहवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेगी। इसके बाद प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर अपनी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

फिलहाल केनाल लिंक रोड परियोजना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है और प्रभावित परिवार प्रशासन से स्पष्ट जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी स्तर पर शिकायत प्राप्त होने पर होगी कड़ी कार्रवाई–कलेक्टर

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति समीक्षा की, उन्होंने कहा पीएम आवास योजना के तहत प्राप्त शिकायतों को गंभीरता लें तथा योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित सीएमओ एवं जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि शिकायत प्राप्त होने पर मौके पर पहुंचकर

प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण करें तथा प्राप्त शत-प्रतिशत आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुशासन तिहार के शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, आवेदकों की समस्याओं को सुनें एवं पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान करें। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा के दौरान बैंकर्स द्वारा ऋण स्वीकृति प्रक्रिया में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने धीमी प्रगति वाले बैंकर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, ताकि ग्रामीणों को कचरा पृथक्करण, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दे । उन्होंने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने आगामी पूरक परीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि पूरक परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को आवश्यक तैयारी करायें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विषयवार विशेष मार्गदर्शन दिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कहीं भी पेयजल समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने बिजली संबंधी शिकायतों की समीक्षा करते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति बाधित होने, ट्रांसफार्मर खराब होने अथवा अन्य विद्युत समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आम नागरिकों को राहत मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, ईऑफिस, आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना एवं आगामी खरीफ फसल की तैयारी की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पोस्ट ऑफिस का सहायक डाकपाल गिरफ्तार, 19.21 लाख रुपये का किया गबन

शेयर मार्केट और जुए की लत ने बनाया अपराधी, 4 खाताधारकों की रकम का किया गबन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अकलतरा पोस्ट ऑफिस में पदस्थ सहायक डाकपाल को धोखाधड़ी और गबन के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शेयर मार्केट और जुए की लत के चलते कुल 19 लाख 21 हजार रुपये का गबन किया था। पुलिस के अनुसार, संयुक्त जांच टीम की जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी तरीके से चार खाताधारकों की राशि निकालकर गबन किया। पीड़ितों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर जांच की गई, जिसमें गबन की पुष्टि हुई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पर पहले से लगभग 20 लाख रुपये का कर्ज था। कर्ज के दबाव और शेयर मार्केट व जुए की लत के कारण उसने अपराध को अंजाम दिया। आरोपी द्वारा वर्ष 2021 से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग की जा रही थी, जिसमें उसे भारी नुकसान हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी संदीप कुमार मिरी (32 वर्ष), निवासी बलौदा ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन, शेयर मार्केट से जुड़े एप्स (ग्रो व एंजल) के डिमेट अकाउंट स्टेटमेंट, बैंक से प्राप्त लोन से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। जांच में करीब 40 लाख रुपये शेयर मार्केट में गंवाने और विभिन्न बैंकों व पोस्ट ऑफिस से लिए गए ऋण की पुष्टि हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक भास्कर शर्मा, महिला प्रधान आरक्षक स्वाती गिरोलकर और आरक्षक राजा रात्रे का सराहनीय योगदान रहा।

पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर मजदुर यूनियन का विरोध, महंगाई और ईंधन कीमतों से मजदूर वर्ग पर दोहरी मार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:-कांकेर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर मजदूर संगठन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आम जनता और मजदूर वर्ग को राहत देने की मांग की है। राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष सुख रंजन नंदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महंगाई के इस दौर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि से गरीब और मजदूर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ने से रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ जाते हैं, जिससे मजदूरों की वास्तविक आय लगातार घट रही है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और कच्चे तेल की कीमतों का असर देश पर पड़ता है, लेकिन सरकार को आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहिए। यूनियन नेता ने आरोप लगाया कि पेट्रोलियम पदार्थों पर अधिक शुल्क लगाए जाने से आम लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। वहीं केंद्र सरकार का पक्ष है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है तथा राजस्व से विकास कार्यों और योजनाओं को संचालित किया जाता है।

सुख रंजन नंदी ने कहा कि मजदूर वर्ग पहले से आर्थिक दबाव में है। ऐसे में महंगाई और ईंधन कीमतों में वृद्धि से उनकी स्थिति और कठिन हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोलियम पदार्थों पर लगाए गए शुल्क में कमी कर आम जनता को राहत देने की मांग की।

नेक्स्ट जेन डायल-112 सेवा का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया औचक परीक्षण

बेमेतरा–कवर्धा नेशनल हाईवे पर पीड़ित बनकर की शिकायत, समय पर पहुंची पुलिस टीम

बेमेतरा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा-कवर्धा नेशनल हाईवे मार्ग पर नेक्स्ट जेन डायल-112 सेवा का औचक परीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का जायजा लिया। रायपुर से कबीरधाम जाते समय उन्होंने स्वयं सड़क दुर्घटना पीड़ित बनकर डायल-112 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई और पास के एक ढाबे पर रुककर पुलिस वाहन के पहुंचने की प्रतीक्षा की। निर्धारित समय में डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद उप मुख्यमंत्री ने वाहन में उपलब्ध सभी तकनीकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वाहन में लगे लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम, संचार व्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रिस्पॉन्स तकनीक, हेल्पलाइन सहायता प्रक्रिया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों को त्वरित और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा छत्तीसगढ़ में सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 400 नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेश को समर्पित किया गया था। आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन प्रदेशभर में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच और रिस्पॉन्स समय को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत डायल-112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक, पैनिक बटन तथा महिला सुरक्षा संबंधी विशेष निगरानी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इस एकीकृत प्रणाली के माध्यम से पुलिस सहायता, एम्बुलेंस सेवा, अग्निशमन सेवा और महिला हेल्पलाइन जैसी सेवाएं एक मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बेमेतरा जिले को भी 11 नए हाईटेक ईआरवी वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। ये वाहन थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा, बेरला, साजा, परपोडी, खम्हरिया, नवागढ़, नांदघाट, दाढ़ी एवं चंदनू सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। इन वाहनों के माध्यम से सड़क दुर्घटना, महिला संबंधी अपराध, विवाद, मारपीट और अन्य आपात स्थितियों में नागरिकों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में जिले में डायल-112 सेवा 24 घंटे सक्रिय रूप से संचालित की जा रही है। सेवा प्रारंभ होने के बाद से जिले में अब तक 162 आपातकालीन प्रकरण डायल-112 के माध्यम से प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सड़क दुर्घटना, विवाद, आगजनी, जहर सेवन और आत्महत्या प्रयास जैसे मामले शामिल हैं। बेमेतरा पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में बिना संकोच डायल-112 सेवा का उपयोग करें। पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए हर समय तत्पर

विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल

जगदलपुर बस्तर/मूक पत्रिका

देशभर में आयोजित परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर आदिवासी युवा छात्र संगठन ने कड़ा विरोध जताया है। के संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के लगभग 24 लाख विद्यार्थियों के भविष्य के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र- छात्राएँ दिन-रात मेहनत कर डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएँ मेहनती विद्यार्थियों का मनोबल तोड़ने का काम करती हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल ने केंद्र सरकार एवं संबंधित एजेंसियों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मजबूत व्यवस्था लागू की जाए। नीट परीक्षा लीक पर आदिवासी युवा छात्र संगठन कड़ा निंदा करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी को स्तीफा की माँग करता है! उन्होंने कहा कि – ÷यदि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो छात्र संगठन सड़क से सदन तक आंदोलन करने को मजबूर होगा।÷ ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता को जायज़ बताते हुए कहा कि देश का युवा न्याय चाहता है, न कि भ्रष्ट व्यवस्था का शिकार बनना। ÷मेहनत करने वाले छात्रों के सपनों का सौदा बंद करो÷

÷शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करो÷

झीरम घाटी शहादत दिवस पर चांपा में कांग्रेस ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

चांपा/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश तथा जिला कांग्रेस कमेटी के आदेश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चांपा द्वारा सोमवार 25 मई को झीरम घाटी शहादत दिवस के अवसर पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर मोमबत्तियां जलाई तथा शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने झीरम घाटी में शहीद हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग कांग्रेस संगठन और लोकतंत्र के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।अंत में कांग्रेसजनों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने, उनकी स्मृति को चिरस्थायी रखने तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यरूप से प्रदेश सचिव गिरधारी यादव, ब्लाक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला उपाध्यक्ष किशन सोनी, जिला महामंत्री सेवक बुटू देवांगन, नागेंद्र गुप्ता, गुलशन सोनी, व्यपार प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष राज अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, पार्षद तमिन्द्र देवांगन, पवन आर्य, दुर्गा कुर्रे, ललित देवांगन, पुरषोत्तम देवांगन, गिरधर देवांगन, डुग्गु प्रधान, डॉ. गोविंद देवांगन, अंजली देवांगन, ब्लाक उपाध्यक्ष समद बेग, ब्लाक महामंत्री राजू शर्मा, रंजन कैवर्त, अजय यादव, अंजूम अंसारी, राम बाई स्वर्णकार, कविता देवांगन, ब्लाक सचिव जीवन बंजारे, आसन दीवान, टेकु देवांगन, सेक्टर प्रभारी संजय देवांगन, अरुण देवांगन, हासिम अंसारी, शिवशंकर निषाद, श्यामलाल देवांगन, कुशल गौराहा, नेतराम देवांगन, रमेश बरेठ, इकबाल अंसारी,सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सौजन्य भेंट

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने बीते सोमवार को नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच जनहित, सुशासन, शहरी विकास, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए राज्य में किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। बैठक में दोनों नेताओं ने देश के समग्र विकास में राज्यों की सक्रिय भागीदारी और आपसी सहयोग को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। साथ ही विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्यों के बीच बेहतर संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने भी विकास एवं जनसेवा के क्षेत्र में साझा सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कलेक्ट्रेट पहुँचकर कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ का जताया आभार

'हमर लक्ष्य' योजना से संवर रहा मेधावियों का भविष्य: उच्च शिक्षा के लिए 51 विद्यार्थियों को मिली आर्थिक सहायता

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 25 मई 2026 जिला प्रशासन कांकेर द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही ÷हमर लक्ष्य÷ योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। जिला कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के कुशल निर्देशन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) हरेश मंडावी के सतत मार्गदर्शन में जिले के कुल 51 छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु निरंतर आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में शासकीय मदद से विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुँचकर जिला कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा हेतु समय पर मिल रही महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता के लिए जिला प्रशासन के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया। कलेक्ट्रेट पहुँचे विद्यार्थियों ने बेहद उत्साह के साथ चर्चा करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समय पर उपलब्ध कराई गई इस आर्थिक सहायता ने उनके उच्च शिक्षा के सपनों को न सिर्फ टूटने से बचाया, बल्कि उनके करियर को एक नई और सही दिशा प्रदान की है। इस मुलाकात के दौरान विभिन्न तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल रहे, जिनमें एमबीबीएस के एक, बीडीएस के एक, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीयू) के चार, शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी भिलाई के एक तथा आईआईटी के एक छात्र-छात्रा विशेष रूप से शामिल थे। इसके अलावा जिला प्रशासन के सहयोग से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे कुल 26 विद्यार्थी भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे, जिनमें बोधनी देवी नर्सिंग इंस्टीट्यूट जगदलपुर के 10, सृष्टि नर्सिंग कॉलेज रायपुर के 04, भारत इंस्टीट्यूट दानीटोला बालोद के 03 तथा लीलादेवी नर्सिंग कॉलेज मोतीपुर राजनांदगांव के विद्यार्थी शामिल हैं। विद्यार्थियों ने अपनी पारिवारिक और आर्थिक पृष्ठभूमि को साझा करते हुए कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के परिवारों के लिए बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक होता है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सहायता राशि उनके लिए एक मजबूत संबल और सहारा बनकर आई है। उन्होंने जिला प्रशासन को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस अद्वितीय सहयोग से न केवल उनकी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रह सकेगी, बल्कि वे अपने जीवन के लक्ष्यों की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएंगे। छात्रों ने भावुक होते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा उन्हें जो सहयोग और स्नेह प्रदान किया जा रहा है, वह उनके लिए अमूल्य है और वे सभी छात्र-छात्राएं इस मदद के लिए सदैव ऋणी रहेंगे। यह प्रेरणादायक सहयोग उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य में समाज और देश के लिए बेहतर योगदान देने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।